Website : www.mantrabharat.com

जुनून है सच लिखने का

हिन्दी दैनिक

E-Mail : mantragwalior@gmail.com

संस्करण : ग्वालियर
वर्ष : 03
अंक : 45
पृष्ठ : 6
मूल्य : 2.00
रविवार,14 सितम्बर 2025

मंत्र भारत

ग्वालियर, मुम्बई, लखनऊ एवं प्रयागराज,से एक साथ प्रकाशित एवं गोरखपुर, वाराणसी, आजमगढ़ से प्रसारित

3 लखनऊ विश्वविद्यालय की छात्रा से प्रोफेसर ने कहा- 4 हिंदी भाषा पर अवलंबित वैश्विक अर्थतंत्र 5 फ्लावर प्रिंट ड्रेस में सुरवीन चावला ने दिखाया

मणिपुर हिंसा में हिंसा के बाद पीएम का पहला दौरा

■ इंफाल और चुराचांदपुर में 8500 करोड़ की परियोजनाओं का तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को मणिपुर का दौरा करके चूड़ाचांदपुर एवं इंफाल में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से बातचीत करेंगे। मणिपुर में दो वर्ष पहले जातीय हिंसा भड़कने के बाद मोदी का यह राज्य का पहला दौरा होगा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री 8,500 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की शुरूआत भी करेंगे। मोदी के दौरे के मद्देनजर इंफाल और चूड़ाचांदपुर जिला मुख्यालय शहर में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है। प्रधानमंत्री के सभा स्थलों इंफाल में लगभग 237 एकड़ में फैले कांगला किले और चूड़ाचांदपुर के पीस ग्राउंड तथा उसके आसपास बड़ी संख्या में राज्य और केंद्रीय बलों के जवान तैनात किए गए हैं। प्रधानमंत्री कार्यालय ने एक विज्ञप्ति में कहा, मणिपुर के समावेशी, सतत और समग्र विकास के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, प्रधानमंत्री चूड़ाचांदपुर में 7,300 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। इसमें कहा गया कि मोदी इंफाल में 1,200 करोड़ रुपये से अधिक की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन भी करेंगे। मुख्य सचिव पुनीत कुमार गोयल ने प्रधानमंत्री के दौरे की शुक्रवार को पुष्टि की। राज्य का मोदी का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब विपक्षी दल कुकी और मेइती समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के बाद प्रधानमंत्री द्वारा मणिपुर का दौरा नहीं करने के लिए कई बार आलोचना कर चुके हैं। मई 2023 से हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए। गोयल ने प्रधानमंत्री के दौरे की जानकारी देते हुए बताया, दोपहर करीब 12:15 बजे चूड़ाचांदपुर पहुंचने पर वह सबसे पहले जिले के आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों (आईडीपी) से बातचीत करेंगे। वह राज्य में शुरू की जाने वाली विभिन्न बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। प्रधानमंत्री चूड़ाचांदपुर के पीस ग्राउंड में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्य सचिव ने कहा, इसके बाद, वह अपराह्न लगभग 2:30 बजे कांगला पहुंचकर सबसे पहले आंतरिक रूप से विस्थापित कुछ लोगों से बातचीत करेंगे। वह विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे। प्रधानमंत्री कांगला में एक जनसभा को संबोधित करेंगे। परियोजनाओं में, प्रधानमंत्री इंफाल के मंत्रिपुखरी में 101 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित नए मणिपुर पुलिस मुख्यालय और उसी इलाके में 538 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित एक नागरिक सचिवालय का उद्घाटन करेंगे। चूड़ाचांदपुर से मोदी विभिन्न परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे, जिनमें 3,647 करोड़ रुपये की जल निकासी और परिसंपत्ति प्रबंधन सुधार परियोजना और 550 करोड़ रुपये की मणिपुर इन्फोटेक डेवलपमेंट (एमआईएनडी) परियोजना शामिल है।

स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में लोहिया संस्थान का अहम योगदानः सीएम

लखनऊ (संवाददाता)। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज शनिवार को कहा कि चिकित्सा शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में लोहिया संस्थान का अहम योगदान है। केजीएमयू, लोहिया संस्थान व एसजीपीजीआई ने कार्य करते हुए आज उत्तर प्रदेश के अन्दर चिकित्सा स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में मानक गढ़े हैं। नेपाल, बिहार व पूर्वांचल के जिलों से बड़ी संख्या में मरीज लोहिया संस्थान में इलाज के लिए आते हैं।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में संबोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाएं बेहतर हुई हैं। पहले अस्पतालों में आईसीयू बेड नहीं थे। लोगों का समय पर इलाज नहीं हो पाता था। आज बेहतर उपचार मिल रहा है जो टीम भावना के साथ काम का नतीजा है। काम करने का जज्बा होता है तो सारी चीजें ठीक होती हैं। हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। हमें कोरोना काल में बहुत कुछ सीखने को मिला। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, तकनीक का उपयोग कर भीड़ की गति को रोक सकते हैं। पीएचसी, सीएचसी व जिला अस्पताल में भी व्यवस्थाएं ठीक हुई हैं। लोगों को इलाज मिल रहा है। उन्होंने कहा कि चरक व सुश्रुत दुनिया को भारत की देन है। भारत ने विश्व को पहला सर्जन दिया। समय के अनुरूप हम उस गति को बनाकर रख नहीं पाये इस मौके पर सीएम ने कई निर्माण कार्यों का लोकार्पण व शिलान्यास किया और कई चिकित्सकों को सम्मानित किया।

नोएडा में अवैध निर्माण करने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 28 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के शाहपुर गोवर्धनपुर गांव में प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर अवैध निर्माण करने के लिए 28 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों द्वारा इस संबंध में शिकायत दी गई थी थाना सेक्टर 126 के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र बालियान ने बताया कि शुक्रवार रात को नोएडा प्राधिकरण के ह्यवर्क सर्किल नौह्न के अवर अभियंता हरेंद्र मलिक ने शिकायत दर्ज कराई और आरोप लगाया कि शाहपुर गोवर्धनपुर खादर गांव में प्राधिकरण की जमीन पर कुछ लोग लगातार अवैध निर्माण कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण करने का मामला सामने आने के बाद लोगों को चेतावनी भी दी जा चुकी है। अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच में 28 लोगों के नाम सामने आए, जिनमें से ज्यादातर लोग शाहपुर गांव के ही रहने वाले हैं। उन्होंने बताया कि शिकायत के आधार पर इन 28 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

चार दिसंबर 2008 तक के संविदाकर्मियों का हो सकता है नियमितीकरण, नई नियमावली को लेकर हुई बैठक

देहरादून (एजेंसी)। नई नियमितीकरण नियमावली को लेकर बैठक हुई, जिसमें बताया गया कि चार दिसंबर 2008 तक के संविदाकर्मियों

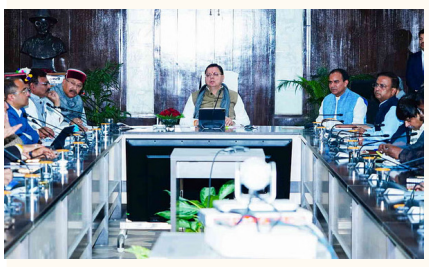

का नियमितीकरण हो सकता है। जल्द ही यह प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष पेश किया जाएगा। उत्तराखंड में चार दिसंबर 2008 तक संविदा पर लगने वाले कर्मचारियों का नियमितीकरण हो सकता है। इसके लिए जल्द ही नियमितीकरण नियमावली 2025 कैबिनेट के समक्ष रखी जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा के तहत 28 अगस्त को मुख्य सचिव आनंदबर्द्धन की अध्यक्षता में समिति की बैठक हुई। बैठक में सचिव कार्मिक शैलेश बगौली, सचिव वित्त दिलीप जावलकर, अपर सचिव न्याय मनीष कुमार पांडे, अपर सचिव कार्मिक नवनीत पांडे, अपर सचिव वित्त गंगा प्रसाद शामिल हुए। बैठक में बताया गया कि राज्य में सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आलोक में वन टाइम एक्सरसाइज के तहत दैनिक वेतन, कार्यप्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक और तदर्थ रूप से नियुक्त कार्मिकों के नियमितिकरण की नियमावली जारी हुई थी। इसके तहत एक नवंबर 2011 को 10 वर्ष की सेवा पूरी करने वाले कार्मिकों को नियमित करने का प्रावधान किया गया था। इसके बाद 30 दिसंबर 2013 को नियमितीकरण नियमावली 2013 लाई गई, जिसमें 30 दिसंबर 2013 को कम से कम पांच वर्ष की निरंतर सेवा वालों को नियमित करने का प्रावधान किया गया। इस पर 2018 में हाईकोर्ट नैनीताल ने रोक लगा दी थी। आदेश का दोबारा अवलोकन किया गया इसके बाद नरेंद्र सिंह बनाम राज्य रिट याचिका पर हाईकोर्ट नैनीताल ने 22 फरवरी 2024 को एक आदेश दिया, जिसमें कहा गया कि पांच वर्ष की सीमा को 10 वर्ष किया जाना चाहिए। इस आदेश का दोबारा अवलोकन किया गया। तय किया गया है कि हाईकोर्ट के स्टे ऑर्डर चार दिसंबर 2018 से 10 वर्ष पूर्व यानी चार दिसंबर 2008 तक दैनिक वेतन, कार्य प्रभारित, संविदा, नियत वेतन, अंशकालिक और तदर्थ रूप से नियुक्त कार्मिकों को नियमित करने का प्रस्ताव तैयार होगा।

'एसआईआर कराने का निर्देश देना, चुनाव आयोग के क्षेत्राधिकार का अतिक्रमण', सुप्रीम कोर्ट में आयोग का जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने उच्चतम न्यायालय से कहा है कि देश भर में नियमित अंतराल पर

मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) करने का कोई भी निर्देश चुनाव आयोग के विशेष अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण करेगा। सुप्रीम कोर्ट में दायर जवाबी हलफनामे में चुनाव आयोग ने कहा कि उसके पास मतदाता सूची में संशोधन की नीति का पूरा अधिकार है। जवाबी हलफनामे में कहा गया है कि बिहार को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को मतदाता सूची में संशोधन करने का निर्देश दिया गया है। हलफनामे में कहा गया है कि 'मतदाता सूची तैयार करने और संशोधन की निगरानी करने की संवैधानिक और वैधानिक शक्तियां चुनाव आयोग के पास हैं। देश भर में नियमित अंतराल पर एसआईआर करने का कोई भी निर्देश चुनाव आयोग के विशेष अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण होगा।' चुनाव आयोग का यह हलफनामा वकील अश्विनी कुमार उपाध्याय की याचिका पर दायर किया गया है। अश्विनी कुमार ने अपनी याचिका में चुनाव आयोग को पूरे भारत में नियमित अंतराल पर, खासकर चुनाव से पहले मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण करने का निर्देश देने की मांग की है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल भारतीय नागरिक ही देश की राजनीति और नीति तय करें। चुनाव आयोग ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत, संसद और हर राज्य के विधानमंडल के सभी चुनावों के लिए मतदाता सूची की तैयारी और संचालन का पुनरीक्षण, निर्देशन और नियंत्रण चुनाव आयोग के पास है। 8 सितंबर को शीर्ष अदालत ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में बिहार में मतदाता सूची के एसआईआर अभ्यास में पहचान प्रमाण के रूप में शामिल किया जाना चाहिए और चुनाव आयोग से 9 सितंबर तक निर्देश को लागू करने के लिए कहा था। बिहार में एसआईआर के मुद्दे पर हंगामा जारी बिहार में मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद हो गया है। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया है कि इस प्रक्रिया का उद्देश्य लोगों को उनके मताधिकार से वंचित करना है। वहीं चुनाव आयोग का कहना है कि एसआईआर का उद्देश्य उन लोगों के नाम हटाकर मतदाता सूची को ठीक करना है जो या तो मर चुके हैं, या उनके पास फर्जी पहचान पत्र हैं या जो अवैध प्रवासी हैं। चुनाव आयोग की 24 जून की अधिसूचना के अनुसार, बिहार में अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होने वाली है।

जनता अब नहीं सहेगी लूट और महंगाई, ग्राम सभा चुनाव में नहीं उतरेगी सपा:शिवपाल

इटावा (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव ने शनिवार को उत्तर प्रदेश की योगी सरकार और केंद्र की मोदी सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने इटावा के बसरेहर ब्लॉक के गोरा दयालपुर में स्व. पूर्व प्रधान की प्रतिमा का अनावरण करते हुए मीडिया से बातचीत में कई मुद्दों को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि पिछले 14 सालों में जनता को लूटकर महंगाई लगातार बढ़ाई गई है। जीएसटी के नाम पर लोगों पर अतिरिक्त बोझ डाल दिया गया है और आम आदमी परेशान है। जनता अब इन बेइमानों को बख्शने वाली नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मणिपुर दौरे पर भी उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव आते ही सौगातों की घोषणाएं शुरू हो जाती हैं, लेकिन चुनाव खत्म होते ही गुजरात की कंपनियां पहुंचकर सब कुछ लूट लेती हैं। उन्होंने जनता से सतर्क रहने की अपील की। राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए शिवपाल ने कहा कि आज प्रदेश में कानून-व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त है।

जहां मरे सैकड़ों लोग, वहां मोदी का रोड शो, राजधर्म कहां है-खरगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने हिंसा से जूझ रहे मणिपुर की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की यात्रा को दिखावा करार देते हुए कहा है कि उन्होंने शांति बहाली का ठोस प्रयास करने की बजाय शोर शराबा करने पर ज्यादा ध्यान दिया है। खरगे ने प्रधानमंत्री के नाम एक संदेश में शनिवार को कहा नरेंद्र मोदी जी, मणिपुर में आपका तीन घंटे का पड़ाव करुणा नहीं, बल्कि एक दिखावा है और हिंसा से घायल हुए लोगों के जख्मों का अपमान है। मणिपुर की राजधानी इम्फाल और चुराचांदपुर में आप जो तथाकथित रोड शो कर रहे हैं वह राहत शिविरों में रहने वाले लोगों का दर्द सुनने से बचने का एक प्रयास है। उन्होंने मणिपुर हिंसा के जख्मों का जिक्र करते हुए कहा कि वहां 864 दिनों की हिंसा में लगभग 300 लोग मारे गये और 1,500 से ज्यादा घायल हुए तथा हिंसा के कारण 67,000 लोग विस्थापित हुए हैं। मणिपुर में भड़की हिंसा के बाद से आपने 46 विदेश यात्राएं कीं हैं।

जंगलराज पर नड्डा ने राजद को घेरा, तेजस्वी से पूछा

लालू के बयानों पर कब मांगेंगे माफी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज बिहार दौरे पर हैं। बिहार में एक कार्यक्रम के दौरान नड्डा ने कहा कि बिहार के बारे में चर्चा करें तो दो तस्वीर सामने आती है,- एक अंधकारमय बिहार और दूसरा उजाले की ओर बढ़ता बिहार। पहले वोटबैंक के लिए तुष्टिकरण की राजनीति होती थी, हर काम में भ्रष्टाचार होता था, हत्या-अपहरण आम बात हो गई थी। आज एनडीए सरकार में बिहार प्रगति के पथ पर अग्रसर है। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री नीतीश जी नेतृत्व में बिहार कई बड़े बदलाव हुए हैं। मुझे खुशी है कि महिला सशक्तिकरण में बिहार ने अपने आप को साबित किया है। जेपी नड्डा ने विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि INDI Alliaance के नेता सिर्फ सत्ता के भूखे हैं, यही इनका विजन और मिशन है। उन्हें सिर्फ अपने स्वार्थ से मतलब है, बिहार या भारत की जनता से कोई मतलब नहीं। उन्होंने कहा कि विकास के नाम पर लालू यादव कहते थे- रोड बना देंगे तो पुलिस जल्दी पहुंच जाएगी

और जानवरों के खुर खराब हो जाएंगे। पलायनवाद पर लालू महिमामंडन करते थे- बिहार का लोग गमछा पहनकर जाता है, सूट पहनकर लौटता है। आज तक राजद ने माफी नहीं मांगी! भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस और बाकी विपक्ष ने राजनीति को निम्नतम स्तर पर पहुंचा दिया है। पहले इनके मंच से मोदी जी की माता जी को गालियां दी गई और कल कांग्रेस का जो वीडियो आया है वो इस बात का प्रमाण है कि उनकी सोच कितनी गंदी है। उन्होंने कहा कि ये लोग किस तरह राजनीति को गिरा रहे हैं। बिहार की धरती इसका गवाह है। जागृत बिहार की जनता सही समय आने पर इसका मुंहतोड़ जवाब देगी।

बिहार की सियासत में तेजस्वी का बड़ा दांव, 'अधिकार यात्रा' से साधेंगे 2025 का लक्ष्य

बिहार (एजेंसी)। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव से पहले एक नए जनसंपर्क अभियान की शुरूआत करने वाले हैं। उनकी बिहार अधिकार यात्रा 16 सितंबर को जहानाबाद से शुरू होकर 20 सितंबर को वैशाली में समाप्त होगी, जो पाँच दिनों में 10 जिलों से होकर गुजेरगी। इस यात्रा के दौरान, राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव, यात्रा के मार्ग में पड़ने वाले कई निर्वाचन क्षेत्रों में

जनसंवाद के माध्यम से मतदाताओं से जुड़ेंगे। राजद के प्रदेश प्रधान महासचिव रणविजय साहू द्वारा जारी एक परिपत्र के अनुसार, संबंधित जिलों के पार्टी सांसदों, विधायकों, जिला अध्यक्षों और नेताओं को इस अभियान में शामिल होने का निर्देश दिया गया है। नियोजित मार्ग तेजस्वी को जहानाबाद से नालंदा, पटना, बेगुसराय, खगड़िया, मधेपुरा, सहरसा, सुपौल और समस्तीपुर होते हुए वैशाली तक ले जाएगा। यह पहल पिछले महीने हुई मतदाता अधिकार यात्रा के बाद की गई है, जिसमें यादव कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ मतदाता सूची संशोधन से जुड़े मुद्दों पर प्रचार करने के लिए शामिल हुए थे।

प्रधानमंत्री मोदी को मणिपुर का दौरा करने के बारे में बहुत पहले सोचना चाहिए था: प्रियंका

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने शनिवार को कहा कि उन्हें खुशी है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मणिपुर में व्यापक हिंसा के दो साल बाद वहां जाने का फैसला किया, हालांकि उन्हें इस बारे में पहले ही सोचना चाहिए था। वाद्रा ने यह भी कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि जो कुछ वहां हो रहा था,श्श वह प्रधानमंत्री ने कथित रूप से इतने लंबे समय तक होने दिया और इतनी बड़ी संख्या में लोगों की जान गई। उन्होंने यहां पत्रकारों से बात करते हुए कहा, मुझे खुशी है कि उन्होंने दो साल बाद यह फैसला किया कि वहां जाना उनके लिए जरूरी है। उन्हें बहुत पहले ही वहां का दौरा करना चाहिए था। यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्होंने वहां जो कुछ हो रहा था, उसे इतने लंबे समय तक होने दिया, लोग मारे गए, लोगों को कठिनाइयों से गुजरना पड़ा, उसके बाद उन्होंने वहां जाने का निर्णय लिया।श्श वायनाड से कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब भी कहीं पीड़ा और कष्ट होता था, तो भारत के प्रधानमंत्री ऐसे स्थानों का दौरा करते थे और यह परंपरा के रूप में हमेशा निभायी जाती रही है। वाद्रा ने कहा, शुरू से ही, चाहे कोई भी पार्टी रही हो, जहां भी दुख और पीड़ा होती है, वे वहां जाते थे। और आजादी के बाद से यह परंपरा रही है। वह दो साल बाद यह कर रहे हैं। मुझे लगता है कि उन्हें पहले ही इस बारे में सोचना चाहिए था। मोदी का राज्य का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब विपक्षी दल कुकी और मेइती समुदायों के बीच जातीय संघर्ष के बाद प्रधानमंत्री द्वारा मणिपुर का दौरा नहीं किए जाने को लेकर कई बार आलोचना कर चुके हैं।

राहुल गांधी उपराष्ट्रपति के शपथ से नदारद, अनुराग ठाकुर का तंज: अब वे भारत विरोधी नेता

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन के शपथ ग्रहण समारोह में न आने पर आलोचना की और कहा कि वह भारत विरोधी नेता बन गए हैं और जहाँ उनकी जरूरत है, वहाँ कहीं नहीं हैं। पत्रकारों से बात करते हुए, ठाकुर ने कहा कि जब संसद का सत्र चल रहा होता है, तो विपक्ष के नेता उसमें शामिल नहीं होते। जब स्वतंत्रता दिवस मनाया जाता है, तो विपक्ष के नेता लाल किले पर समारोह में शामिल नहीं होते। विपक्ष के नेता

नवनिर्वाचित उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं होते। ठाकुर ने आगे कहा कि जनता ने पहले 10 साल तक किसी नेता को नेता नहीं बनाया। अगर वह तीसरी बार नेता प्रतिपक्ष बने हैं, तो वह विपक्ष के नेता की बजाय भारत विरोधी नेता बन गए हैं... वह वहाँ कहीं नहीं हैं जहाँ उनकी जरूरत है। लेकिन राहुल गांधी भारत विरोध में सबसे आगे हैं। शुक्रवार को, भाजपा सांसद दिनेश शर्मा ने भी कांग्रेस पार्टी की आलोचना की और बिहार कांग्रेस द्वारा एआई-जनरेटेड एक वीडियो पोस्ट किए जाने के बाद उन पर मानसिक संतुलन खोने का आरोप लगाया। इस वीडियो में कथित तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनकी दिवंगत मां जैसे दो किरदार दिखाए गए थे। शर्मा ने कहा कि कांग्रेस अपना मानसिक संतुलन खो चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी की छवि खराब करने के लिए कांग्रेस नेता उन पर अपमानजनक शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं। संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करना राहुल गांधी का काम बन गया है। वह आज उपराष्ट्रपति के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए, जबकि वह विपक्ष के नेता हैं... इस बीच, राज्यसभा सचिवालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने शुक्रवार शाम राज्यसभा के सभापति के रूप में पदभार ग्रहण किया।

महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर द्वारा निरीक्षण का एक दृश्य

गोरखपुर,: महाप्रबंधक/पूर्वोत्तर रेलवे श्री उदय बोरवणकर ने आज 13 सितम्बर, 2025 को मंडल रेल प्रबंधक/वाराणसी श्री आशीष जैन के साथ पूर्वी उत्तर प्रदेश को बिहार राज्य से जोड़ने वाले गोरखपुर-छपरा मुख्य रेल खण्ड का संरक्षा निरीक्षण किया। इस निरीक्षण में उनके साथ मुख्यालय गोरखपुर से प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबन्धक श्री अनूप कुमार सतपथी,प्रमुख मुख्य इंजीनियर श्री नीलमणि,प्रमुख मुख्य सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर श्री एस.के.पाण्डेय, प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर श्री संजय सिंघल,प्रमुख मुख्य संरक्षा अधिकारी श्री मुकेश मेहरोत्रा तथा वाराणसी मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक श्री शेख रहमान,वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक श्री अजय प्रताप सिंह,वरिष्ठ मंडल इंजीनियर(समन्वय)श्री विकास कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त श्री एस रामाकृष्णन, वरिष्ठ मंडल इंजीनियर-2 श्री विनीत कुमार, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक इंजीनियर (कैरेज एण्ड वैगन)श्री अनुभव पाठक,वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर श्री पंकज केशरवानी, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर(परिचालन)श्री धर्मेन्द्र यादव,वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री बलेन्द्र पाल उपस्थित थे। इस दौरान उन्होंने सबसे पहले देवरिया सदर रेलवे स्टेशन पहुँचकर स्टेशन का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने देवरिया सदर स्टेशन पर यात्री सुविधाओं के उन्नयन,साफ-सफाई एवं रेल संरक्षा से जुड़े उपकरणों समेत रिले रूम का गहन निरीक्षण किया । तदुपरांत देवरिया सदर स्टेशन पर अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों का निरीक्षण किया। महाप्रबंधक ने स्टेशन के पुनर्विकास ले-आउट प्लान तथा स्टेशन परिसर में चल रहे आधारभूत संरचनाओं के विकास कार्यों का अवलोकन किया और सभी कार्य मानक के अनुरूप निर्धारित समय सीमा मे पूरा करने का निर्देश दिया। मंडल रेल प्रबंधक ने देवरिया सदर स्टेशन पर हो रहे विकास कार्यों की प्रगति से महाप्रबंधक महोदय को अवगत कराया गया। इसके उपरान्त महाप्रबंधक श्री बोरवणकर गोरखपुर-छपरा रेल खण्ड का विण्डो ट्रेलिंग निरीक्षण करते हुए नूनखार-भटनी ब्लॉक खण्ड पर किमी 441/41 से 441/45 पर पहुंचे और माइनर ब्रिज सं-125 का संरक्षा निरीक्षण किया।इसी क्रम में उन्होंने भटनी-भाटपाररानी ब्लॉक खण्ड पर किमी सं 431/14 से 30 तक विस्तारित कर्व सं-61 के इन्डेन्ट के मानक का निरीक्षण किया। इसी क्रम में भाटपाररानी- बनकटा ब्लॉक खण्ड पर किमी सं-417/13-11 पर स्थित सीमित ऊँचाई के सब-वे का निरीक्षण करते हुए मैरवां स्टेशन पहुंचे और मैरवां स्टेशन का गहन निरीक्षण किया साथ ही अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों की मानक के साथ प्रगति की समीक्षा की तथा समपार सं-104। का संरक्षा निरीक्षण किया । तदुपरान्त उन्होंने जीरादेई-सीवान ब्लॉक खण्ड पर किमी सं 395/16-14 स्थित समपार फाटक सं 95/सी का संरक्षा संबंधित निरीक्षण करते हुए सीवान पहुंचे और सीवान रेलवे स्टेशन पर उपलब्ध यात्री सुविधाओं का भी निरीक्षण किया और यात्री सुविधाओं के उन्नयन से सम्बंधित अमृत भारत स्टेशन विकास योजना के अंतर्गत चल रहे पुनर्विकास कार्यों की गति बढ़ाने का निर्देश दिया ।

चोर, उचक्के और हत्यारे बन सकते हैं नेता तो भगवाधारी क्यों नहीं, काशी में बोले बाबा बागेश्वर

वाराणसी । पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने काशी विश्वनाथ धाम में विधि-विधान से पूजन अर्चन किए। उन्होंने बाबा के दर्शन के बाद काफी प्रसन्नता जाहिर की। श्ंश्ल्लंश्र ठीद्द२ः बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री काशी पहुंचे। शनिवार को उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किया। उनके साथ संतोष दास सतुआ बाबा उपस्थित रहे। दर्शन के बाद वे सतुआ बाबा आश्रम पहुंचे। यहां भारी संख्या में श्रद्धालु उनकी एक

झलक पाने के लिए बेताब दिखे। इस दौरान पत्रकारों के कुछ सवालों पर पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने खुलकर अपने विचार व्यक्त किए। नेपाल में अशांति से लेकर बांग्लादेश में नरसंहार व सनातन धर्म पर कई बड़े बयान दे डाले। कहा कि भारत को नेपाल और बांग्लादेश की घटनाओं से सबक लेना चाहिए। भारत में हिंदू एकता का कार्य बहुत जरूरी है। भारत को घोषित रूप से हिन्दू राष्ट्र बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि मैं सात नवंबर से 16 नवंबर तक पदयात्रा कर रहा हूं ताकि भारत हिन्दू राष्ट्र बने। विश्व में शांति के लिए हिन्दू राष्ट्र ही एकमात्र रास्ता है। हिंदुत्व मानवता की एक विचारधारा है। रामनगर की रामलीलाः तिमि जनक रामहि सिय समरपी बिस्व कल कीरति नई...श्रीराम समेत चारों भाई विवाह बंधन में बंधे पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने भगवाधारियों के राजनेता बनने के सवाल पर कहा भगवाधारी क्यों नहीं बन सकते राजनेता? उन्होंने सीएम योगी की तारीफ करते हुए कहा आई सपोर्ट, योगी बाबा, बहुत अच्छे हैं। जिसको बुरा लगे वो हमारी हवेली पर आएं। पीएम की मां पर टिप्पणी को लेकर पं धीरेन्द्र शास्त्री ने कहा कि सबकी मां पूज्यनीय हैं, सबका सम्मान होना चाहिए।

घर में घुसकर युवती से दुष्कर्म, खिड़की से भागा आरोपी

बस्ती। मुंडेरवा थानाक्षेत्र की युवती के घर में घुसकर दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता के मुताबिक शोर मचाने पर आरोपी खिड़की के रास्ते भाग खड़ा हुआ। थानाध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी आनन्द के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में केस दर्ज कर लिया गया है। उसकी गिरफ्तारी की कोशिश की जा रही है। इसी थानाक्षेत्र की रहने वाली पीड़िता के पिता ने तहरीर देकर बताया है कि उनकी 18 वर्षीय पुत्री एक सितंबर को घर पर थी। आरोप है कि दिन में करीब साढ़े तीन बजे आरोपी आनन्द घर में घुस कर दुष्कर्म किया। पीड़िता की चीख-पुकार सुनकर उसके चाचा कमरे की तरफ दौड़े तो आरोपी ने दरवाजे को अंदर से बंद कर लिया और खिड़की के रास्ते कूदकर भाग निकला।

लावड़ में दो भाइयों के बीच खूनी संघर्ष, पुलिस के सामने भी चले ईंट-पत्थर और लात-घूंसे, कई लोग घायल

मेरठ के लावड़ कस्बे में दो भाइयों के परिवारों के बीच विवाद खूनी संघर्ष में बदल गया। एक पक्ष ने ईंट से हमला कर दूसरे पक्ष के कई लोगों को घायल कर दिया। पुलिस के सामने भी लात-घूंसे चलते रहे। मेरठ के लावड़ कस्बे में शनिवार को परिवारिक विवाद ने उस समय बड़ा रूप ले लिया जब दो सगे भाइयों के परिवारों के बीच कहासुनी मारपीट में बदल गई। देखते ही देखते दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए और लाठी-डंडों के साथ-साथ ईंट-पत्थर भी चलने लगे। इस झगड़े में कई लोग घायल हो गए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विवाद किसी पुराने पारिवारिक मसले को लेकर

हुआ था। दोनों पक्षों में पहले कहासुनी हुई और फिर अचानक एक पक्ष के लोगों ने ईंट उठाकर दूसरे पक्ष पर हमला कर दिया। इसके बाद माहौल और गरम हो गया और दोनों ओर से लात-घूंसे और डंडे चलने लगे। इस दौरान चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और बीच-बचाव करने की कोशिश की, लेकिन गुस्साए लोग किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे। मेरठ और आसपास की ताजा और अहम खबरें, पढ़ें 13 सितम्बर को आपके शहर में क्या हुआ मामले की सूचना मिलते ही लावड़ थाना पुलिस मौके पर पहुंची। लेकिन पुलिस के सामने भी दोनों पक्षों के लोग आपस में भिड़ते रहे। कुछ देर तक थाने के सामने ही जमकर हंगामा और मारपीट होती रही। आखिरकार अतिरिक्त पुलिस बल बुलाना पड़ा, तब जाकर स्थिति को नियंत्रित किया जा सका। घटना में घायल हुए लोगों को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और जिला अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने दोनों पक्षों को थाने ले जाकर पूछताछ शुरू की है।

स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में सफाई करते हुए खिलाड़ी एवं कोच

गोरखपुर,: पूर्वोत्तर रेलवे क्रीड़ा संघ (नरसा) के तत्त्वावधान में 13 सितम्बर, 2025 को सैयद मोदी रेलवे स्टेडियम, गोरखपुर में लॉन टेनिस कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, हैंडबॉल कोर्ट, तरणताल मार्ग, कबड्डी, कुश्ती हॉल, बैडमिंटन हॉल, फुटबॉल एवं हॉकी ग्राउंड सहित स्टेडियम के विभिन्न स्थलों पर गहन साफ-सफाई की गई। इस अवसर पर महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह, सहायक क्रीड़ाधिकारी श्री चन्द्र विजय सिंह सहित विभिन्न खेलों के कोच एवं खिलाड़ी उपस्थित थे। इस दौरान कुल 25 कोच एवं 150 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महासचिव/नरसा श्री पंकज कुमार सिंह ने स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत साफ-सफाई में अपनी सहभागिता दी तथा कूड़े-कचरे के निस्तारण हेतु निर्देशित किया। उन्होंने सभी को कार्यस्थल एवं अपने आस-पास के स्थल को स्वच्छ बनाये रखने हेतु प्रेरित किया।

कंप्यूटर सेंटर की आड़ में चल रहा था स्पा सेंटर, पुलिस छापेमारी में 8 युवतियों समेत 12 लोग हिरासत में

मेरठ । के नौचंदी थाना क्षेत्र में कंप्यूटर सेंटर की आड़ में अवैध स्पा सेंटर चल रहा था। पुलिस ने छापा मारकर 8 युवतियों समेत 12 लोगों को हिरासत में लिया। सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी भी मौके पर पहुंचे और जांच की। मेरठ में नौचंदी थाना क्षेत्र की गढ़ रोड पर स्थित सम्राट हेवेन्स होटल के ठीक सामने बने सम्राट शॉपिंग कॉम्प्लेक्स में शुक्रवार को पुलिस ने एक बड़ा खुलासा किया। यहां कंप्यूटर सेंटर के नाम पर अवैध स्पा सेंटर संचालित किया जा रहा था। सूचना पर नौचंदी थाना पुलिस और मेडिकल थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने छापा मारते हुए मौके से 12 लोगों को हिरासत में लिया। इनमें आठ युवतियां और चार युवक शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक, एफेबल डिजाइन्स कंपनीज नाम से संचालित इस कंप्यूटर सेंटर में लंबे समय से संदिग्ध गतिविधियां चल रही थीं। क्षेत्रवासियों ने पुलिस को इस बारे में सूचना दी थी कि यहां अक्सर अज्ञात युवक-युवतियों का आना-जाना रहता है। शुक्रवार को पुलिस ने जब अचानक छापा मारा तो हड़कंप मच गया। मौके से मिले सामान और दस्तावेज यह साबित कर रहे थे कि यहां कंप्यूटर ट्रेनिंग के नाम पर धंधा कुछ और ही चल रहा था। छापेमारी के दौरान सीओ सिविल लाइन अभिषेक तिवारी भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने कॉम्प्लेक्स की अन्य मंजिलों पर जाकर भी तलाशी ली। शुरूआती जांच में सामने आया कि सेंटर में कोई कंप्यूटर संबंधी गतिविधि नहीं हो रही थी, बल्कि कमरे को स्पा और मसाज सेंटर के रूप में तैयार किया गया था। पुलिस ने सभी युवतियों और युवकों को थाने ले जाकर पूछताछ शुरू कर दी है। साथ ही कॉम्प्लेक्स के मालिक और किरायेदारों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि यह नेटवर्क केवल मेरठ तक सीमित नहीं हो सकता, बल्कि इसके तार अन्य शहरों से भी जुड़े हो सकते हैं। स्थानीय लोगों ने इस कार्रवाई पर राहत की सांस ली है। उनका कहना है कि कंप्यूटर सेंटर की आड़ में ऐसा धंधा चलना पूरे क्षेत्र की छवि खराब कर रहा था।

राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कतर के 32 खिलाड़ियों में से 10 ने जीते पदक, पढ़ें- खेल की खबरें

वाराणसी । डॉ. संपूर्णानंद स्टेडियम में राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 400 मीटर रेस, रिले रेस, डिस्कस थ्रो और ऊंची कूद की स्पर्धा हुई। प्रतियोगिता में कतर के कई खिलाड़ियों ने पदक जीते हैं। सीबीएसई की राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में कतर के 32 खिलाड़ियों में से 10 ने पदक जीते हैं। इसमें अब्दुल्लाह वाहिदी ने 400 मीटर में रजत और रिले रेस की टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है। बालिका वर्ग में कतर की ही अक्सा विनेश ने रजत पदक हासिल किया है। डॉ. संपूर्णानंद स्टेडियम में राष्ट्रीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शुक्रवार को 400 मीटर रेस, रिले रेस, डिस्कस थ्रो और ऊंची कूद की स्पर्धा हुई। कतर की टीम के कोच विपिन दूबे ने बताया कि इस प्रतियोगिता में कतर के फैज, द्वितराज, योगव, अब्दुल्लाह वाहिदी, अक्सा विनेश ने पदक जीते हैं। एथलेटिक्स मीट के चौथे दिन अंडर-17 बालक वर्ग के 400 मीटर रेस में चित्रा, अंडर-19 बालिका वर्ग में रिया, अंडर-14 बालिका डिस्कस थ्रो में लक्षिता पूरण, अंडर-17 बालिका वर्ग 1500 मीटर रेस में अमन, अंडर-19 बालक वर्ग लंबी कूद में आरव (डीपीएस बागपत) ने स्वर्ण पदक जीते। वहीं, अंडर-14 बालक वर्ग के 600 मीटर रेस में सर्वेश पाटिल, बालिका

वर्ग में लक्ष्या, अंडर-17 बालक वर्ग के 1500 मीटर रेस में हनी, अंडर-19 बालक वर्ग 1500 मीटर रेस में कुश, अंडर-17 बालिका वर्ग ऊंची कूद में गौरी ने भी स्वर्ण पदक जीता। अंडर-17 बालक वर्ग के 400 मीटर, अंडर-19 के 400 मीटर रेस बालिका वर्ग के 400 मीटर रेस, अंडर-17 के 400 मीटर रेस में सेमीफाइनल हुआ। इस मौके पर डॉ. वंदना सिंह, डॉ. नीलम सिंह, जितेंद्र पांडेय, केएन सिंह, धीरज सिंह, स्नेहा सिंह मौजूद रहीं। बालिका वर्ग में दुर्गा चरण इंटर कॉलेज की टीम बनी चैंपियन भेलूपुर जोन के बालक और बालिका वर्ग की कबड्डी शुक्रवार को कमच्छा स्थित बेसेंट थियोसोफिकल स्कूल (बीटीएस) में खेली गई। इसमें जोन के आठ स्कूलों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। बालिका वर्ग में दुर्गा चरण इंटर कॉलेज की टीम तीनों वर्ग में विजेता बनी जबकि बालक वर्ग के दो मुकाबलों में सीएम एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज और एक वर्ग में बीटीएस की टीम चैंपियन बनी। खेल शिक्षक डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि अंडर-19 सीनियर वर्ग बालक में सीएम एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज की टीम ने बंगाली टोला इंटर कॉलेज को हरा दिया। अंडर-17 जूनियर वर्ग बालक में सीएम एंग्लो बंगाली की टीम ने बीटीएस को टीम को हरा दिया। सब जूनियर वर्ग में बीटीएस की टीम ने सीएम एंग्लो बंगाली इंटर कॉलेज को हरा दिया।

संक्षिप्त खबरें

पूजा स्पेशलः गोरखपुर-पुणे के मध्य प्रतिदिन एक विशेष गाड़ी

गोरखपुर,: रेलवे प्रशासन द्वारा आगामी दशहरा, दीपावली तथा छठ पर यात्रियों की होने वाली अतिरिक्त भीड़ को ध्यान में रखते हुये यात्रियों की मांग पर 01415/01416 पुणे-गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाडी का संचलन पुणे से 27 सितम्बर से 30 नवम्बर,2025 तक तथा गोरखपुर से 28 सितम्बर से 01 दिसम्बर, 2025 तक प्रतिदिन निम्नवत किया जायेगा। 01415 पुणे-गोरखपुर पूजा विशेष गाडी 27 सितम्बर से 30 नवम्बर, 2025 तक प्रतिदिन पुणे से 06.50 बजे प्रस्थान कर दौंड से 08.12 बजे, अहमदनगर से 09.32 बजे, कोपरगांव से 11.30 बजे, मनमाड से 13.15 बजे, भुसावल से 16.00 बजे, खण्डवा से 18.10 बजे, इटारसी से 21.20 बजे, भोपाल से 23.25 बजे, दूसरे दिन बीना से 01.30 बजे, वीरागंना लक्ष्मी बाई जं. (झांसी) से 04.10 बजे, कानपुर सेण्ट्रल से 08.30 बजे, लखनऊ से 10.05 बजे, गोण्डा से 12.30 बजे तथा बस्ती से 14.00 बजे छूटकर गोरखपुर 16.00 बजे पहुंचेगी। वापसी यात्रा में 01416 गोरखपुर-पुणे पूजा विशेष गाडी 28 सितम्बर से 01 दिसम्बर, 2025 तक प्रतिदिन गोरखपुर से 17.30 बजे प्रस्थान कर बस्ती से 19.15 बजे, गोण्डा से 20.30 बजे, लखनऊ से 22.35 बजे, दूसरे दिन कानपुर सेण्ट्रल से 00.25 बजे, वीरागंना लक्ष्मीबाई जं. (झांसी) से 04.15 बजे, बीना से 08.05 बजे, भोपाल से 10.10 बजे, इटारसी से 12.20 बजे, खण्डवा से 15.08 बजे, भुसावल से 17.05 बजे, मनमाड से 20.15 बजे, कोपरगांव से 20.52 बजे, अहमदनगर से 23.12 बजे तथा तीसरे दिन दौंड से 02.00 बजे छूटकर पुणे 03.15 बजे पहुंचेगी। इस गाडी में शयनयान श्रेणी के 06, साधारण द्वितीय श्रेणी के 06, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी के 04, तथा एस.एल.आर.डी. के 02 कोचों सहित कुल 18 कोच लगाये जायेंगे।

बाइक चोर गिरोह का गुर्गा गिरफ्तार

बस्ती । सोनहा। पुलिस ने थाना क्षेत्र औड़वा घाट से गैंगस्टर एक्ट के आरोपी को शुक्रवार सुबह 7:10 बजे गिरफ्तार कर न्यायालय भेज दिया। वहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। प्रभारी निरीक्षक चंदन कुमार ने बताया कि मुकेश यादव निवासी कुकनगर टोला खुनखुनिया थाना खोडारे जिला गोंडा चोर गिरोह का सक्रिय सदस्य है। गिरोह आए दिन दोपहिया वाहनों की चोरी करता है। इनके गिरोह के पास से 7 बाइक बरामद हो चुकी हैं।

खड़ी ट्रॉली से भिड़ी अनियंत्रित बाइक, चालक की गई जान

(बस्ती)। बभनान रोड पर थान्हा खास गांव के सामने शुक्रवार को बेकाबू बाइक सड़क किनारे खड़ी ट्रॉली टकरा गई। 45 वर्षीय बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस और एंबुलेंस के मौके पर देर से पहुंचने पर लोगों ने नाराजगी जताई। घाटमपुर थाना पैकोलिया के महेश सोनी किसी कार्य से कस्बे में आए थे। लौटते समय शाम करीब 3:30 बजे थान्हा खास गांव के सामने महिला डिग्री कॉलेज के पास उनकी बाइक एक दुकान के सामने सड़क किनारे खड़ी लोडेड ट्रॉली में पीछे से भिड़ गई। महेश के सिर में गंभीर चोट आई और उन्होंने मौके पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद करीब 45 मिनट तक शव वहीं पड़ा रहा। स्थानीय लोगों ने डायल 100 को सूचना दी। उसके बाद पुलिस पहुंची। थोड़ी देर में एंबुलेंस आई लेकिन, व्यक्ति की मौत होने की जानकारी होने पर लौट गई। दूसरी एंबुलेंस से शव को सीएचसी ले जाया गया। वहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया।

घर में फंदा लगाकर दी जान

बस्ती बभनान। नगर पंचायत बभनान के आसरा आवास में बृहस्पतिवार रात 30 वर्षीय युवक ने फंदा लगाकर जान दे दी। किसी ने डायल 112 को सूचना दी। मौके पर कुछ देर बाद पुलिस पहुंच गई। पुलिस ने शव को नीचे उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जानकारी के अनुसार गौर थाना क्षेत्र के महागौरी नगर वार्ड निवासी विकास कुमार उर्फ विक्की गुप्ता 30 वर्ष आसरा आवास में अकेले रहता था। बृहस्पतिवार की रात 1:00 बजे कमरे में उसने चद्दर से फंदा बनाकर लटक गया। जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। आसपास के लोगों ने बताया कि वह नशे का आदी था। परिवार से अलग रहता था। उसे कुछ दिन पूर्व उसकी पत्नी उसे छोड़ कर चली गई थी। चौकी प्रभारी अजय नाथ कनौजिया ने बताया कि अवसाद के चलते आत्महत्या की बात सामने आ रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद वजह स्पष्ट होगी।

घर की बेटी निकली चोर, जमीन में गाड़े जेवर और भूसे में छिपाई नकदी बरामद

दुबौलिया। थाना क्षेत्र की अशोकपुर ग्राम पंचायत के सोलह नंबर पूरवा में बृहस्पतिवार को तीन घरों में हुई चोरी की गुत्थी को पुलिस ने कुछ ही घंटों में सुलझा लिया। हैरान करने वाली बात यह है कि चोरी किसी बाहरी व्यक्ति ने नहीं की, बल्कि इस वारदात को घर की एक बेटी ने ही अंजाम दिया। उसके मिट्टी में गाड़े गए जेवर, भूसे में छिपाए 53 हजार रुपये पुलिस ने ढूंढ निकाले हैं। सीओ प्रदीप कुमार तिवारी ने बताया कि परिवार की 20 वर्षीय युवती भारती ने चोरी की साजिश रचकर जेवरात मिट्टी में गाड़ दिया था और नकदी भूसे में छिपा दी थी। पुलिस ने दोनों को बरामद कर लिया है। गांव निवासी धर्मेंद्र निषाद, उनके भाई राम सुधार और राम नवल परिवार सहित चाचा के लड़के की तेरही में शामिल होने छिछनापुर (आंबेडकरनगर) गए थे। घर में केवल उनकी मां और राम नवल की बेटी भारती मौजूद थी। बृहस्पतिवार की दोपहर जब पूरा परिवार लौटा तो देखा कि तीनों घरों में अलमारी और बक्से टूटे पड़े हैं, और नकदी व जेवरात गायब हैं। इससे परिवार के लोगों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर दुबौलिया थाने से एसआई अजय कुमार यादव और धीरेंद्र कुमार राय टीम के साथ पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

चार कोठा संचालिका, चार दलाल और एक ग्राहक भेजा जेल, ये किया 17 लड़कियों के साथ

कबाड़ी बाजार में पुलिस की 40 सदस्यीय टीम ने छापा मारकर वेश्यावृत्ति होती पकड़ी थी। चार कोठे सील किए थे। शुक्रवार को सभी को कोर्ट में पेश किया गया। 17 युवतियों व महिलाओं के बयान दर्ज करने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। कबाड़ी बाजार में कोठों पर वेश्यावृत्ति कराने के मामले में पुलिस ने चार कोठा संचालिका समेत नौ लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

तस्वीरः बड़े उद्योग बिहार में दस्तक देने को तैयार, 27000 करोड़ का निवेश करेगा अदाणी समूह

अगर सरकार की नीति स्पष्ट हो और निवेशकों के साथ संवाद कायम रहे तो कारपोरेट जगत के लिए बिहार आकर्षक निवेश स्थल के रूप में विकसित हो सकता है। किसी को भी यह स्वीकारने में हिचक नहीं होनी चाहिए कि 2017 के बाद राज्य सरकार ने बिजली-सड़क जैसे बुनियादी ढांचे को विकसित करने में कसर नहीं छोड़ी है। विकास के लिए जिस क्षमता और संसाधनों की जरूरत होती है, वे बिहार में भरपूर हैं। राज्य का मानव संसाधन और टैलेंट किसी से कम नहीं है। इसी के दम पर बिहार देश के औद्योगिक नक्शे पर जगह बना सकता है। इसके लिए जरूरत है तो राजनीतिक स्थिरता और स्पष्ट नीति की। इस आशा के पीछे अदाणी समूह का 27,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्ताव है, जो भागलपुर के पीरपैंती में बड़ी पावर परियोजना शुरू करने को लेकर है। इस परियोजना का पहला चरण तैयार होने में 12,000 से ज्यादा इसके परिचालन फेज में 3,000 पक्की नौकरियां बिहार के युवाओं को मिलने की संभावना है।

सत्कर्म के लिए बोले गए झूठ से नहीं लगता पापः राधेश्याम

ग्वालियर

सत्कर्म के लिए बोले गए झूठ से पाप नहीं लगता है, इसलिए गौहत्या, ब्रह्महत्या एवं गृहक्लेश रोकने के लिए अगर झूठ भी बोलना पड़े तो संकोच न करें, क्योंकि यह झूठ कुछ बुरा होने से रोकने के लिए बोला गया है। यह विचार राधेश्याम महाराज ने दंदरौआधाम शताब्दीपुरम में वी केयर द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में व्यक्त किए। शुक्रवार को गोवर्धन पूजा की कथा का श्रवण कराया गया। कथा में राधेश्याम महाराज ने कहा कि मनुष्य को कभी भी धन का अभिमान नहीं करना चाहिए। धन से उपकार करना चाहिए, क्योंकि उपकार करने से भगवान विष्णु प्रसन्न होते हैं। भगवान भोलेनाथ एवं सूर्यदेव पर एक लोटा जल चढ़ाने से प्रसन्न हो जाते हैं।

भक्तामर के फल से मिलती है मन को शांतिः सुबल सागर

सन्मति सुबल वर्षायोग एवं सकल जैन समाज के तत्वावधान में नई सड़क स्थित चंपाबाग धर्मशाला में सुबल सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे 48 दिवसीय प्रतिदिन शाम को भक्तामर दीप अर्चना का समापन शुक्रवार को हुआ। इस मौके पर भजन गायिका सोनल जैन ने संगीतमय भजन महावीर नाम लागे मोहे प्यारा-प्यारा, बाजे कुंडलपुर में बधाई की नगरी में वीर जन्मे महावीर जी, छोटे बाबा रें पधारो मौरे आंगन जैसे भजनों की प्रस्तुति दी। धर्म सभा को संबोधित करते हुए आचार्य सुबल सागर महाराज ने कहा कि भक्ति में ही शक्ति है और जो शक्ति भगवान में है वह शक्ति आपके अंदर भी आ सकती हैं। इस दौरान आचार्यश्री के चरणों में कमेटी के महामंत्री निर्मल पाटनी, बालचंद्र जैन, वीरेंद्र बाबा, विनय कासलीवाल, प्रमोद जैन, कमलेश जैन, विकास जैन आदि ने श्रीफल चढ़कर आशीर्वाद लिया।

ब्रज में बाजे बधाइयां

इस मौके पर श्रद्धालुओं को आशीर्वाद देने आए दंदरौआ हनुमान के महामंडलेश्वर रामदास महाराज ने कहा कि जिसके कानों में हरिकथा नहीं पहुंचती, उसके कान सांप की बामी के समान हैं। इस दौरान उन्होंने ब्रज में बाजे बधाइया...भजन भी सुनाया। पवन शास्त्री ने कहा कि इस कथा में भगवान की कथा के साथ लोगों को आरोग्य प्रदान कर उनके जीवन की व्यथा भी मिटाई जा रही है।

वैकुंठ धाम में 40 यजमानों ने किया भरणी श्राद्ध

महाराष्ट्र ब्राह्मण सभा ने ढोली बुआ पुल स्थित वैकुंठ धाम में सामुहिक रूप से भरणी श्राद्ध का आयोजन किया। इसमे गुरुजी अभय वायगांकर के मार्ग दर्शन में 40 यजमानों ने विधि विधान से भरणी श्राद्ध किया। संयोजक दत्ता भालेराव, संजय चांदोरकर, वसंत नाशिककर, सुबोध कालेकर और निशिकांत सुरंगे का विशेष सहयोग मिला।

तानसेन नगर में श्रीमद् भागवत कथा का शुभारंभ

श्री मनकामेश्वर शक्ति पीठ मंदिर तानसेन नगर में श्रीमद भागवत कथा का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। मनकामेश्वर मंदिर से 101 कलशों को महिलाएं सिर पर रखकर चलीं। पंडित शुभम अग्निहोत्री ने बग्घी में बैठकर शोभायात्रा प्रारंभ की जो स्टेट बैंक चौराहा होते हुए कथा स्थल पर पहुंची। जगह-जगह लोगों ने शोभायात्रा का पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। इस अवसर पर मथुरा से आए युवा कथा वाचक पंडित शुभम अग्निहोत्री ने लोगों को श्रीमद् भागवत कथा का महत्व समझाया। उन्होंने बताया कि प्रेत योनि से मुक्ति दिलाने के लिए श्रीमद भागवत श्रेष्ठतम उपाय है। पितृ पक्ष में कथा सुनने से पितृ प्रसन्न होते हैं।

सजाया माता का दरबार

अग्रवाल एकता संगिनी द्वारा शारदीय नवरात्र के पहले सांस्कृतिक आयोजन किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में सिटी सेन्टर क्षेत्र के एक होटल में माता का दरबार सजाया गया और गरबा डांडिया करवाया गया। संयोजक पूजा अग्रवाल ने बताया कि सरप्राइज गेम, हाउजी एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। महिलाओं ने गरबा और डांडिया की शानदार प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर सीमा मित्तल, ममता गोयल, पूनम गर्ग, सुनीता सिंघल, साधना अग्रवाल, गरिमा अग्रवाल, संध्या गोयल, इंदिरा मंगल, गायत्री बंसल, रश्मि गुप्ता, रुचि अग्रवाल, सारिका सिंघल, नेहा गर्ग, पिंकी अग्रवाल सहित 90 महिलाओं की भागीदारी रही।

'हमारा मान है हिन्दी हमारी शान है हिंदी', काव्य गोष्ठी का आयोजन

ग्वालियर

साहित्य संस्था संगम द्वारा काव्य गोष्ठी का आयोजन मानस भवन फूलबाग में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि स्वराज बिहारी माथुर थे। अध्यक्षता चेतराम सिंह भदौरिया ने की। संचालन अमित चितवन ने किया।

काव्य गोष्ठी में रेखा दीक्षित ने कहा-क्यों प्यार मुहब्बत के जमाने नहीं आते, क्यों लव पे वफाओं के तराने नहीं आते। दिनेश विकल ने अपनी कविता में कहा-फौज डटी है सीमा पर जनता भीतर हुंकारी है, आजादी को कायम रखना सबकी जिम्मेदारी है। चेतना चौहान ने कहा-हिन्दी राजभाषा अति प्यारी अधिकांश लोग है हिंदी भाषी, माध्यम शिक्षा का हो हिन्दी, हिन्दी है राष्ट्र सम्पत्ति। अमित चितवन ने अपनी रचना सुनाते हुए कहा-वो तो सब कुछ उधार देता है, जो भी परवर दिगार देता है, अपनी पगड़ी संभाल कर रखिए, ताज सर के उतार देता है। आरती अक्षत ने कहा-हमारा मान है हिन्दी हमारी शान है हिंदी, सकल संसार में देखो इक पहचान है हिंदी। डॉ. रमेश मछण्ड ने कहा-पहले श्रीलंका जला बंग्लादेश बबाल, इसी तर्ज पर देख लो सुलग रहा नेपाल। गंगादीन शाक्य ने मेरे महबूब हंसीन आंखों से अपनी, कोई नफरत अगर है फिर तो हटा दे। इसी क्रम में कैलाश स्वर्णकार, जगदीश गोकलानी, एएच खान, पुष्पा मिश्रा आनन्द, यासीन मन्सूरी, रामलाल साहू बेकस, चेतराम सिंह भदौरिया, जगमोहन श्रीवास्तव और कमलेश कैस आदि ने भी काव्य पाठ किया।

खराब सड़कों पर कराई पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर। नगर निगम द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए अभियान चलाकर बरसात में खराब हुई शहर की गारंटी पीरियड की सड़कों पर ठेकेदार द्वारा एवं अन्य विभिन्न सड़कों पर नगर निगम द्वारा तेजी से पेंच रिपेयरिंग का कार्य किया जा रहा है। सहायक यंत्री अमित गुप्ता ने बताया कि शुक्रवार को ऊंटपुल से हुजरातपुल, रॉक्सीपुल वापिस लोक प्लाजा के सामने तक, हजीरा गन्ने की दुकान के सामने रोड पर, विद्युत विभाग से स्टेडियम से बाल भवन गेट तक, गोयल वाटिका से डॉ. धीरज की दुकान हुरावली, कृष्णा कालोनी नोखन की पुलिया, हीरा नगर गुरूद्वारा के पीछे, पीली कोठी से अवाडपुरा, रघुकुल नगर, बाल गोपाल कॉलोनी आर्मी स्कूल के पास सहित अनेक सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

संपर्क क्रांति का इंजन फेल, यात्री डेढ़ घंटे तक फंसे

ग्वालियर,न.सं.। नई दिल्ली से बैंगलुरु की ओर जाने वाली यशवंतपुर संपर्क क्रांति एक्सप्रेस शुक्रवार को ग्वालियर से निकलते ही खराबी का शिकार हो गई। ट्रेन का इंजन अचानक सिथौली रेलवे स्टेशन पर फेल हो गया। अचानक हुई इस तकनीकी खराबी के कारण ट्रेन करीब एक घंटे से अधिक समय तक वहीं खड़ी रही। इस दौरान यात्री उमस और इंतजार से परेशान होते रहे। कई यात्रियों ने रेलवे प्रबंधन पर नाराज़गी जताते हुए कहा कि संपर्क क्रांति जैसी लंबी दूरी की ट्रेन के इंजन में इस तरह की खराबी यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा, दोनों पर सवाल खड़े करती है। स्थिति को संभालने के लिए रेलवे ने आनन-फानन में आंतरी से दूसरा इंजन मंगवाया और उसे ट्रेन से जोड़ा। इसके बाद ट्रेन ने अपनी यात्रा पुनः शुरू की।

सम्पत्तिकर एवं जल कर में लें छूट का लाभ

ग्वालियर। सम्पत्तिकर एवं जलकर के लंबित प्रकरणों में वसूली के लिए एवं प्रकरणों के निराकरण के लिए 13 सितंबर को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उपायुक्त ए पी एस भदोरिया ने बताया कि शहर के नागरिकों के सम्पत्तिकर के लंबित वसूली प्रकरणों के निराकरण के लिए आयोजित लोक अदालत में कर एवं अधिभार की राशि 50 हजार रुपए तक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 100 प्रतिशत की छूट रहेगी। ऐसे प्रकरण जिनमें 50 हजार से 1 लाख तक की राशि बकाया है, उनके अधिभार में 50 प्रतिशत की छूट एवं 1 लाख रुपए से अधिक बकाया होने पर मात्र अधिभार में 25 प्रतिशत की छूट प्रदान की जाएगी।

विभिन्न वार्डों में कराई फॉगिंग

ग्वालियर। संक्रामक बीमारियों एवं मच्छरों की रोकथाम के लिए नगर निगम द्वारा सभी वार्डों में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कराया जा रहा है। मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ वैभव श्रीवास्तव ने बताया वार्ड 39 हरिजन बस्ती, वार्ड 21 इंद्रमणी नगर, वार्ड 44 माधव प्लाजा हुजरात रोड, वार्ड 54 गोविंद सिंह का बाडा, वार्ड 55 कुशवाह मोहल्ला, वार्ड 34 रामदास घाटी, वार्ड 52 गड्ढे वाला मोहल्ला सहित अनेक स्थानों पर फॉगिंग एवं दवा का छिड़काव किया गया।

बच्चों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

ग्वालियर। शहर साफ व स्वच्छ रहे इसके लिए नगर निगम की आईईसी टीम द्वारा स्वच्छता जागरूकता अभियान विभिन्न विद्यालय, महाविद्यालय, कॉलोनी आदि स्थानों पर चलाया जा रहा है। आईईसी के नोडल अधिकारी मुकेश बंसल ने बताया कि शुक्रवार को वार्ड 43 में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, चिटनीस की गोठ विशेष जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के बच्चों को स्वच्छता का महत्व समझाया गया तथा उन्हें गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग करने की जानकारी दी गई।

ऑनलाइन जमा होगा सम्पत्तिकर शुल्क

ग्वालियर,न.सं.। नगर निगम सीमा में स्थित संपत्तियों के सम्पत्तिकर एवं नामांकन ऑनलाइन जमा किए जाएंगे। उपायुक्त सम्पत्तिकर एपीएस भदौरिया ने बताया कि निगमायुक्त संघ प्रिय के निर्देश पर शहरवासियों को घर बैठे ऑनलाइन संपत्ति कर जमा एवं नामांकन की सुविधा मिलना प्रारंभ हो गई है। अब आपको अपने भवन, भूमि का सम्पत्तिकर जमा करने के लिए नगर निगम के दफ्तर जाने की जरूरत नहीं अब आप घर बैठे म.प्र.शासन के ई-नगर पालिका पोर्टल एवं एप पर संपत्ति कर जमा एवं नामांकन की सुविधा का लाभ आवश्यक दस्तावेज अटैच कर उठा सकते हैं। इसके अलावा जनमित्र केन्द्र पर अपने दस्तावेज प्रस्तुत कर भी ई-नगर पालिका ऑनलाइन पोर्टल अथवा एप से नामांकन की सुविधा का लाभ उठा सकेंगे एवं नामांकन की स्थिति मोबाईल पर ही जान सकेंगे।

जीआरएमसी का माइक्रोबायोलॉजी प्रदेश में पहला विभाग बना

ग्वालियर

गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय (जीआरएमसी) ने प्रदेश में इतिहास रच दिया है। महाविद्यालय का माइक्रोबायोलॉजी विभाग नेशनल एक्रेडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लेबोरेट्रीज (एनएबीएल) से मान्यता प्राप्त करने वाला प्रदेश का पहला शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय विभाग बन गया है।

यह मान्यता आईएसओ 15189/2022 मानक के तहत दी गई है, जिसे मेडिकल लेबोरेट्रीज में गुणवत्ता और दक्षता का अंतरराष्ट्रीय पैमाना माना जाता है। विभाग के प्रो. डॉ. के.पी. रंजन ने बताया कि यह मान्यता इस बात की पुष्टि करती है कि विभाग में होने वाले सभी मेडिकल टेस्ट अब अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होंगे। वर्ष 2015 में कुछ चुनिंदा जांचों के लिए एनएबीएल मान्यता मिली थी, लेकिन अब पूरे विभाग की अधिकांश जांचें इस दायरे में आ चुकी हैं। उन्होंने इस सफलता का श्रेय अधिष्ठाता प्रो. डॉ. आर.के.एस. धाकड़, विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. नीलिमा रंजन और पूरे स्टाफ की टीम भावना और निरंतर प्रयासों को दिया। अधिष्ठाता प्रो. डॉ. आर.के.एस. धाकड़ ने कहा कि यह उपलब्धि जीआरएमसी ही नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है। अब मरीजों को अधिक विश्वसनीय और उच्च गुणवत्ता वाली जांच सुविधाएं मिलेंगी और संस्थान की प्रतिष्ठा राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और सशक्त होगी।

पल्स पोलियो अभियान 12 से , कोई भी बच्चा टीकाकरण से नहीं छूटेगा

ग्वालियर

जिले में नियमित टीकाकरण की मजबूती और 12 अक्टूबर को आयोजित होने जा रहे पल्स पोलियो अभियान को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को कार्यशाला आयोजित की गई।

इसमें स्वास्थ्य विभाग के जिला और खंड स्तरीय अधिकारी-कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। विश्व स्वास्थ्य संगठन के एसएमओ डॉ. एमएस राजावत ने कहा कि ग्वालियर के शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में एक भी बच्चा टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए। उन्होंने सीबीएमओ, नोडल अधिकारी और एपीएम से क्षेत्रवार स्थिति की जानकारी ली और निर्देश दिया कि जहां टीकाकरण नहीं हो पा रहा है वहां नजदीक की एएनएम को जिम्मेदारी देकर बच्चों का टीकाकरण कराया जाए। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सचिन श्रीवास्तव ने बताया कि जिले में 12 अक्टूबर को पल्स पोलियो अभियान चलाया जाएगा। इसके लिए सभी मैदानी अधिकारियों को अभी से तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रयास ऐसे हों कि अधिक से अधिक पांच वर्ष तक के बच्चे बूथ पर पहुंचें और पोलियो की खुराक ले सकें।

सिरदर्द या दौरे को न करें नजरअंदाज यह हो सकता है ब्रेन ट्यूमर का संकेत

ग्वालियर

ब्रेन ट्यूमर शब्द सुनते ही अधिकांश लोगों के मन में भय उत्पन्न होता है, लेकिन आज चिकित्सा तकनीकों में हुई प्रगति, आधुनिक इमेजिंग, सर्जिकल तरीकों और मल्टीडिसिप्लिनरी केयर ने मरीजों के परिणामों में उल्लेखनीय सुधार किया है। विशेषकर जब ट्यूमर को शुरुआती चरण में पहचान लिया जाए।

ब्रेन ट्यूमर कई प्रकार के होते हैं। कुछ कैंसर तो कुछ नॉन-कैंसर। प्रकार चाहे जो भी हो, मस्तिष्क की सीमित जगह में उनका होना महत्वपूर्ण कार्यों को प्रभावित कर सकता है। मैक्स स्मार्ट सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल, साकेत के न्यूरोसर्जरी विभाग के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. जाहिद खान ने बताया कि यदि ट्यूमर शुरुआती चरण में पहचाना जाए तो मरीज को कम जटिल और अधिक प्रभावी उपचार मिल सकता है। छोटे ट्यूमर को आमतौर पर सर्जरी से आसानी से हटाया जा सकता है, जिसमें आसपास के स्वस्थ टिशूस को नुकसान पहुंचने का जोखिम भी कम होता है। समय रहते की गई सर्जरी पूरी तरह से ट्यूमर हटाने की संभावना बढ़ाती है और दोबारा होने से बचाव करती है।

गोलेश्वर महादेव पर श्रीमद् भागवत कथा 23 से

भितरवार

श्री गोलेश्वर धाम में 23 सितंबर से आरंभ होने वाली श्रीमद्भागवत कथा की तैयारियों को लेकर एक बड़ी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में मुख्य रूप से धूमेश्वर धाम के महाराज अनिरुद्ध वन महाराज की उपस्थिति रही। बैठक में नगर के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक एवं समाजसेवी शामिल हुए।

बैठक में निर्णय लिया गया कि 23 सितंबर को सुबह दियादाह घाट से कलश यात्रा प्रारंभ होगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई कथा स्थल श्री गोलेश्वर धाम पहुंचेगी।

महाराज श्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि भागवत कथा भगवान का कार्य है। आप सभी सहयोग कर इस आयोजन को भव्य और दिव्य बनाएं। कथा के परीक्षित स्वयं भगवान श्री गोलेश्वर महादेव हैं। अतः आप सभी तन-मन-धन से इस कार्य में जुट जाएं। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, गणमान्य नागरिकों और समाजसेवियों ने इसे ऐतिहासिक आयोजन बनाने हेतु सहयोग का आह्वान किया।

पुजारी और जिला पंचायत सदस्य ने की 51-51 हज़ार रुपए देने की घोषणा

नगर में आयोजित होने वाली श्रीमद्भागवत कथा में घाटमपुर, सासन और भितरवार नगर के सभी निवासी स्वेच्छा से सहयोग कर रहे हैं। मंदिर के पुजारी विजयगिर गोस्वामी ने 51 हजार रुपए देने की घोषणा की। वहीं, जिला पंचायत सदस्य सूर्यभान सिंह रावत ने भी अपनी ओर से 51 हजार रुपए देने की घोषणा की। इसके अलावा, सहयोग राशि जुटाने के लिए वार्डवार टोली बनाई गई है, जो घर-घर जाकर सहयोग प्राप्त करेगी। जो भी भक्तजन सहयोग करना चाहते हैं, वे मंदिर में आकर योगदान दे सकते हैं। अगली बैठक 21 सितंबर, रविवार को आयोजित की जाएगी।

पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद करना हमारा कर्तव्य : मघैया

भितरवार

जब-जब देश में प्राकृतिक आपदाएँ आई हैं, तब-तब पंजाब के लोग मदद के लिए सबसे आगे खड़े रहे हैं। आज वही पंजाब खुद भयंकर बाढ़ की मार झेल रहा है, जहाँ लोग बेघर होकर संकट से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनकी सहायता करना हम सबका कर्तव्य है। यह बात पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष सतीश मघैया ने शुक्रवार को पंजाब बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए 51 हजार रुपए की राशि प्रदान करते हुए कही।

उल्लेखनीय है कि हाल ही में आई बाढ़ ने पंजाब में भारी तबाही मचाई है। इस आपदा के बीच देश

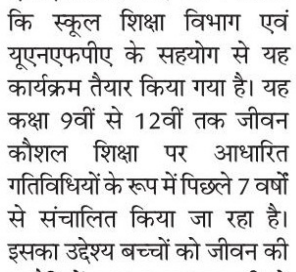

और प्रदेशभर से लोग मदद के हाथ बढ़ा रहे हैं। भितरवार क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, समाजसेवी और युवाओं ने भी सहयोग के लिए पहल की है। इसी क्रम में शुक्रवार को श्री मघैया नरवर मार्ग स्थित सहारन गुरुद्वारे पहुँचे और सिख समाज के लोगों की उपस्थिति में बाढ़ पीड़ितों के लिए 51 हजार रुपए की राशि सौंपी।

उन्होंने क्षेत्रवासियों से भी अपील की कि सभी लोग आगे बढ़कर बाढ़ पीड़ितों की सहायता करें।

गौरतलब है कि इससे पहले नगर परिषद उपाध्यक्ष मन्नू यादव, पार्षद गजब सिंह रावत, सतवीर गुर्जर, नंदू रावत ने भी आर्थिक सहयोग प्रदान किया है। वहीं, जतरथी सरपंच और आंतरी मंडल अध्यक्ष कुलवंत सिंह बाजवा ने गांवों से अनाज एकत्रित कर बाढ़ पीड़ितों की मदद की है।

विश्व हिंदू परिषद ने विभिन्न मांगों को लेकर एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

डबरा

विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल जिला डबरा द्वारा शुक्रवार को डबरा के अनुविभागीय अधिकारी को एक ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में नवरात्रि के दौरान व्यवस्था संबंधी मांगें रखी गईं, जैसे नवरात्रि में मांस-मछली की दुकानें बंद की जाएं, गरबा पंडालों में विधर्मियों का प्रवेश वर्जित हो, पंडालों के आसपास सफाई की उचित व्यवस्था की जाए और नगर में स्ट्रीट लाइट दुरुस्त कराई जाए। इसके अलावा, आवारा मवेशियों की समस्या को देखते हुए उन्हें गौशालाओं में व्यवस्थित रूप से पहुंचाने की मांग भी की गई।

ज्ञापन में चेतावनी दी गई कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं हुई तो विहिप व बजरंग दल आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे। ज्ञापन देने वालों में प्रांत प्रचार प्रमुख दीपक भार्गव, जिला मंत्री विक्रम पाल, जिला संयोजक सचिन मारवाड़ी, जिला सह मंत्री भूपेंद्र भार्गव, जिला सह संयोजक बजरंग दल कुबेर सेन, जितेंद्र कांटे, रमन बाबा, सूरज बाथम, धर्मेंद्र सिंह गुर्जर और प्रकाश शर्मा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सभापति ने की विकास कार्यों की समीक्षा

ग्वालियर,। नगर निगम द्वारा शहर मे किए जा रहे विभिन्न निर्माण कार्यों की प्रगति को लेकर सभापति मनोज तोमर ने जनकार्य विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सभापति तोमर ने नगर निगम के जनकार्य विभाग द्वारा किए जा रहे विभिन्न विकास कार्यों एवं सड़क निर्माण कार्यों की जानकारी संबंधित अधिकारियों से प्राप्त की तथा अधिकारियों को निर्देश दिए कि निगम अधिकारी स्वीकृत कार्यों को समय सीमा में गुणवत्ता का ख्याल रखते हुए पूर्ण करायें। बैठक में सभापति द्वारा जनकार्य से संबंधित जिसमें रोड़ निर्माण, पेंच वर्क, सीवेज, पानी, स्ट्रीट लाइट आदि कार्यों को गुणवत्तापूर्ण समय सीमा में पूरा करने हेतु निर्देशित किया।

समाज में सभी को समान अवसर मिलना चाहिए : राय

दतिया

शासकीय कन्या हाई स्कूल होलीपुरा में उमंग है तो जिंदगी में रंग है- कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जीवन कौशल उमंग के बारे में एस.एल.टी. शैलेन्द्र खरे ने बताया कि स्कूल शिक्षा विभाग एवं यूएनएफपीए के सहयोग से यह कार्यक्रम तैयार किया गया है। यह कक्षा 9वीं से 12वीं तक जीवन कौशल शिक्षा पर आधारित गतिविधियों के रूप में पिछले 7 वर्षों से संचालित किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों को जीवन की चुनौतियों का सामना मजबूती से करने योग्य बनाना है।

सामाजिक कार्यकर्ता एवं बाल कल्याण समिति के सदस्य रामजी राय ने जेंडर समानता पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज में लड़कियां और लड़कों को समान अवसर मिलने चाहिए। उन्होंने आत्मनिर्भर बनने और अधिकारों के प्रति जागरूक रहने का संदेश दिया।

डॉ. अमरैया ने छात्राओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी तथा संतुलित आहार, स्वच्छता, नशामुक्ति, नियमित स्वास्थ्य जांच आदि के महत्व को समझाया। संस्था के प्राचार्य आर.एस. सेंगर ने कहा कि शिक्षा केवल ज्ञान तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि व्यवहार, निर्णय लेने की क्षमता और समाज में जिम्मेदारी निभाने की प्रेरणा भी देनी चाहिए।

सम्पादकीय

विश्वसनीय मतदाता सूची

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। लेकिन एक मजबूत लोकतंत्र के लिये जरूरी है कि उसकी चुनावी प्रक्रिया पारदर्शी और मतदाता सूची विश्वसनीय हो। पिछले दिनों बिहार में विधानसभा चुनाव से कुछ समय पहले मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर अभियान चलाया गया। जिसको लेकर विपक्ष ने कड़ा प्रतिवाद किया और अदालत में चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती भी दी। बताते हैं कि अब भारतीय चुनाव आयोग देश भर में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण करने की योजना बना रहा है। हाल ही में बिहार में चल रही इस प्रक्रिया से उपजे राजनीतिक प्रतिवाद को देखते हुए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य होगा। उल्लेखनीय यह भी है कि आसन्न चुनाव वाले राज्य बिहार में एसआईआर की प्रक्रिया न्यायिक जांच के दायरे में हैं। दरअसल, सर्वोच्च न्यायालय ने इस सप्ताह की शुरूआत में चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र के रूप में मान्यता दी जानी चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि यह सुनिश्चित करना चुनाव आयोग का दायित्व है कि कोई भी पात्र नागरिक अपने मताधिकार के मौलिक हक से वंचित न रहे । उल्लेखनीय है कि बिहार में अंतिम मतदाता सूची इस महीने के अंत तक प्रकाशित होने वाली है। इसमें दो राय नहीं कि देश में पड़ोसी देशों के नागरिकों की बड़े पैमाने पर घुसपैठ गाहे-बगाहे होती रही है। कुछ लोग बेहतर भविष्य की तलाश में गैर-कानूनी तरीके से भारत में घुस आते हैं। फिर कतिपय वोट बैंक के ठेकेदारों, दलालों व भ्रष्ट अधिकारियों की मिलीभगत से जाली कागजात बनवाकर वोट डालने के अधिकारी बन जाते हैं। निस्संदेह, यह गैर-कानूनी है और इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगना ही चाहिए। ऐसे में दो राय नहीं हो सकती है कि मतदाता सूची में त्रुटियों और विसंगतियों को दूर करने करने के लिये तथा अवैध प्रवासियों को बाहर निकालने के लिए अखिल भारतीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अत्यंत आवश्यक हो जाता है। निस्संदेह, राष्ट्रीय स्तर पर मतदाता सूचियों में संशोधन अपरिहार्य है। लेकिन इसके साथ ही यह प्रक्रिया निष्पक्ष, पारदर्शी और सरल होनी जरूरी है। जिसमें वास्तविक नागरिकों के हितों तथा चिंताओं को प्राथमिकता दी जाए। इसके अलावा दिक्कत राजनीतिक दलों के मुखर विरोध की भी है। खासकर विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में एसआईआर क्रियान्वयन तो और ज्यादा मुश्किल होगा। हाल के वर्षों में देखा गया है कि सीमावर्ती राज्यों में अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिये राजनीतिक दलों के कार्यकर्ता विदेशी नागरिकों के जरूरी कागजात बनवाने में गुरेज नहीं करते। उल्लेखनीय है कि उपरोक्त तीनों राज्यों में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। ऐसे में राजनीतिक प्रतिरोध स्वाभाविक ही है। हाल में तमिलनाडु के द्रुमक मंत्री दुरई मुरुगन तल्ख टिप्पणी कर चुके हैं कि बिहार में इस्तेमाल की गई चालें तमिलनाडु में काम नहीं आने वाली हैं, क्योंकि उनके राज्य में लोग राजनीतिक रूप से ज्यादा जागरूक हैं। उनके राज्य में लोगों को भ्रमित नहीं किया जा सकता। यह भी हकीकत है कि चुनाव आयोग को विश्वास की कमी को पाटने के लिये सभी हितधारकों को एक साथ लाने और इस धारणा को दृढ़ता से दूर करने की आवश्यकता होगी कि उसकी इस कार्रवाई से प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष तौर पर केंद्र के सत्तारूढ़ दल को लाभ नहीं पहुंचता है। निर्विवाद रूप से समान अवसर का अभाव चुनावी लोकतंत्र की पवित्रता और अखंडता को कमजोर कर सकता है। निस्संदेह, बिहार एसआईआर से मिले सबक चुनाव आयोग को अन्य राज्यों में इसी तरह की प्रक्रिया के लिये रोडमैप तैयार करते समय मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। यहां यह महत्वपूर्ण है कि सर्वोच्च न्यायालय के हस्तक्षेप ने चुनाव आयोग को आत्मनिरीक्षण और बीच में ही अपनी दिशा बदलने के लिये प्रेरित किया है। यह काफी हद तक एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स जैसे याचिकाकताओं के अथक प्रयासों के कारण ही संभव हो पाया है, जिसके सह-संस्थापक जगदीप छोकर का शुक्रवार को निधन हो गया। छोकर स्वच्छ व पारदर्शी चुनावों के प्रबल समर्थक रहे हैं। निस्संदेह, उनका यह अभियान चुनाव प्रक्रिया को दूषित करने के प्रयासों के विरुद्ध एक मजबूत दीवार की तरह काम करता रहेगा।

हिंदी भाषा पर अवलंबित वैश्विक अर्थतंत्र

संजीव ठाकुर

डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है कि हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। और यही तथ्य हिंदी भाषा के गौरव को अत्यंत विशाल तथा विराट बनाती है । हिंदी भाषा भारतीय संस्कृति सनातन तथा संस्कारों की सारगर्भित भाषा है। हिंदी ही है कि भारत तथा विदेशों में रहने वाले तमाम हिंदुस्तानियों के लिए हिंदी भाषा के माध्यम से प्रचार प्रसार तथा विज्ञापन करती रहें तब जाकर उनका निर्मित उत्पाद विक्रय के लिए बाजार में आ सकेगा। वर्तमान में हिंदी को वैश्विक स्तर पर उपभोक्तावाद से जोड़ा गया है। और बीच-बीच में हिंदी के मध्य उर्दू और अंग्रेजी ने अपनी जगह बनाई है। आज स्थिति

भाषा भारत में ही 141 करोड़ लोगों की भाषा बन चुकी है। देश के लिए जनसंख्या जरूर समस्या के रूप में देखी जा सकती है पर अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए यह एक बड़े बाजार का खजाना ही साबित हो रही है । भारत अब एक बड़ा अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता बाजार बन चुका है और और भारतीय उत्पाद को बेचने के लिए हिंदी भाषा एक सशक्त माध्यम बन चुकी है। भारत में न जाने कितनी अंतरराष्ट्रीय व्यावसायिक संस्थाएं अपने उत्पाद बेचने के लिए आतुर रहती हैं और यही एक बड़ा कारण है कि उन्हें अपने विज्ञापन तथा माल बेचने के लिए भारतीय उपभोक्ताओं को आकर्षित करने हिंदी में विज्ञापन में बेची जाने वाली वस्तुओं की समस्त जानकारी रखनी होती हैं ।यह उनकी व्यावसायिक मजबूरी यह है कि हिंदुस्तान में ही हिंदी से ज्यादा अंग्रेजी के कई शब्द मिलाकर हिंग्लिश भाषा बोली जाती है। न्यूज चौनल में न्यूज एंकर विशुद्ध हिंदी की जगह हिंग्लिश ही बोलकर अपनी इतिश्री कर लेते हैं। और तो और अब हिंदी के बड़े साहित्यकार भी हिंदी में अंग्रेजी तथा उर्दू के शब्द मिलाकर लिख रहे हैं, बोल रहे हैं, और पढ़ रहे हैं। विडंबना यह है कि भारत में 141 करोड़ उपभोक्ता की उपस्थिति में विशुद्ध हिंदी का प्रयोग करना थोड़ा कठिन हो जाता है जैसे हम टी,वी, को दूरदर्शन नहीं कहते, इंटरनेट को इंटरनेट ही लिखा जाता है, अंतरजाल नहीं लिखा जाता ।यह जितनी अंग्रेजी की शब्दावली हिंदी में जुड़ी हुई है,यह संचार माध्यम टी,वी व्हाट्सएप,फेसबुक,ट्विटर, इंटरनेट सीधे-सीधे उपभोक्ताओं के बाजार वाद के कारण जुड़े हुए हैं। हिंदुस्तान में लगभग 141 करोड़ उपभोक्ता निवास करते हैं, और उन तक पहुंचने के लिए हिंदी का प्रयोग अंग्रेजी तथा उर्दू की मिलावट के साथ किया जाता है। वैश्विक स्तर पर भी देखा जाए तो हिंदुस्तानी मूल के लोग श्रीलंका,मॉरीशस,फिजी, ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया,न्यू जीलैंड, साउथ अफ्रीका में फैले हुए हैं। ऐसे में हिंदी का वैश्विक विस्तार अपने आप हिंदी भारतीय अप्रवासी, प्रवासी भारतीय लोगों के माध्यम से होने लगता है ।फिर अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रॉस, इटली, जापान,चाइना इनके उत्पादक को भारत के उपभोक्ताओं के बीच बेचने के लिए उन्हें हिंदी की आवश्यकता होती है, भारत एक शक्तिशाली उपभोक्ता बाजार है। एक साथ एक ही जगह इतने ग्राहक मिलना किसी अन्य देश में असंभव है। इन परिस्थितियों में विश्व का हर देश अपने बनाए गए उत्पादन का बाजार खोजने भारत की ओर खिंचा चलाआता है। और हिंदी को माध्यम बनाकर वह अपना माल बेचना शुरू करता है। और इसके लिए टी,वी, इंटरनेट, कंप्यूटर ,व्हाट्सएप तथा फेसबुक में हिंदी में विज्ञापन देकर उसका प्रचार प्रसार करता है। विज्ञापनों में हिंदी का व्यापक रूप से प्रचार और प्रसार वैश्विक स्तर पर होने लगा है। डॉक्टर जयंती प्रसाद नौटियाल ने भाषा शोध अध्ययन 2012 में यह दावा किया है कि विश्व में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा हिंदी ही है। हिंदी में अंग्रेजी सहित अन्य भाषाओं का उपयोग करने वालों को पीछे छोड़ दिया है। 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एक मत से हिंदी को भारत की राष्ट्रभाषा बनाए जाने का निर्णय लिया था। इसी तारतम्य में भारत में प्रत्येक पर 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में व्यापक स्तर पर देश की राजधानी दिल्ली चलेगी ग्राम पंचायत तक मनाया जाता है। डॉ राजेंद्र प्रसाद ने कहा है हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द या भाषा का तिरस्कार नहीं किया। वैसे भी अंग्रेजों के आगमन के पूर्व हिंदी देवनागरी लिपि में उर्दू तथा फारसी शब्दों का समावेश होता रहा है। अंग्रेजों के आने के बाद इसने अंग्रेजी शब्दों को भी आत्मसात किया। हिंदी एक विशाल हृदय की विशाल भाषा है। इसमें अन्य भाषा के अपभ्रंश आने से हिंदी कभी मूल रूप से दिग्भ्रमित या विकृत नहीं हो पाई है। यही वजह है कि हिंदी वैश्विक स्तर पर धीरे-धीरे विस्तारित, प्रचारित एवं प्रसारित होती जा रही है। वर्तमान में विश्व में लगभग 45 करोड़ से अधिक लोग हिंदी भाषा बोलते हैं, इसकी सरलता विश्व के लोगों को प्रभावित करती जा रही है, भारत के विद्वानों, शिक्षाविदों, साहित्यकारों, कवियों, फिल्मी गीत कारों के प्रयासों से हिंदी ने वैश्विक रूप लिया है। हिंदी को वैश्विक रूप से उपभोक्ताओं से जोड़ने के लिए फिल्म निमार्ताओं गीतकार एवं संगीत, गानों का भी बड़ा योगदान रहा है। हिंदुस्तान में बनी फिल्म को विदेशों में रह रहे भारतीय तथा अन्य भाषाई लोग उसके गीतों तथा उसके संवाद के कारण उस फिल्म को देखने जाते हैं, जिससे सीधे-सीधे भारतीय फिल्मकारों को विदेशी मुद्रा का अर्जन होता है। इस तरह उपभोक्तावाद, बाजारवाद के नजरिए से देखें तो हिंदुस्तानी उपभोक्ताओं का बहुत बड़ा बाजार वैश्विक स्तर पर फैला हुआ है। जिससे हिंदी भाषा न सिर्फ बाजारवाद की भाषा बनी है, बल्कि साहित्यिक रूप से भी गीत, गजल और गानों के रूप में समृद्ध हुई है। वर्तमान में हिंदी न सिर्फ हिंदुस्तान में बल्कि वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय होती जा रही है। भारत में हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए 14 सितंबर को हिंदी दिवस मना कर एवं वैश्विक स्तर पर विश्व हिंदी सम्मेलन अलग-अलग देशों में आयोजित किया जाता रहा है। इस संदर्भ में पंडित गोविंद बल्लभ पंत ने कहा कि हिंदी के प्रचार प्रसार तथा विस्तार को कोई भाषा रोक नहीं सकती है। हिंदी भारत की एकमात्र ऐसी भाषा है, जिसके माध्यम से भारत के विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न भाषा वासी लोग आपस में अपने विचारों का आदान-प्रदान सकते हैं। एनी बेसेंट ने हिंदी भाषा को लेकर काफी सत्य कहा है कि भारत के विभिन्न प्रांतों में बोली जाने वाली विभिन्न भाषाओं में जो भाषा सबसे प्रभावशाली बन कर सामने आती है वह हिंदी है। वह व्यक्ति जो हिंदी जानता है पूरे भारत में किसी भी प्रांत की यात्रा कर सकता है और हिंदी बोलने वालों से हर तरह की जानकारी प्राप्त कर सकता है। अब तो बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने उत्पादों का प्रचार प्रसार पूर्णता हिंदी में करना शुरू कर दिया। इसी तारतम्य में यदि यह कहा जाए कि हिंदी वैश्विक बाजार वाद या उपभोक्तावाद की सबसे बड़ी एवं सशक्त भाषा बन गई है, तो यह अतिरेक नहीं होगा। अंग्रेजी जरूर अंतर राष्ट्रीय भाषा है,पर हिंदी भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बोले जाने वाली द्वितीय भाषा तो जरूर है ही, एवं उपभोक्ताओं के लिए यह प्रथम स्थान रखती है। भारत में हिंदी भाषा सभी प्रांतों सभी राज्यों को एकता के सूत्र में पिरोने वाली एक मातृभाषा स्थापित रूप से है। इसीलिए इसे राजभाषा तथा राष्ट्रभाषा का वास्तविक सम्मान दिए जाने की आवश्यकता है।

दलित राजनीति की ताकत और कमजोरी तथा उसका भविष्य

एसआर दारापुरी

भारत में दलित राजनीति, डॉ. बी.आर. आंबेडकर के विचारों से प्रेरित और सम्मान, समानता और प्रतिनिधित्व की चाहत से प्रेरित, दलित राजनीति जाति-आधारित उत्पीड़न को चुनौती देने में एक गतिशील शक्ति रही है। इसकी ताकत और कमजोरी इसकी उपलब्धियों और इसके सामने आने वाली संरचनात्मक चुनौतियों, दोनों को दशार्ती है, जबकि इसका भविष्य उभरती रणनीतियों और व्यापक गठबंधनों पर टिका है। यहाँ एक विश्लेषण प्रस्तुत है। स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व के आंबेडकर के दृष्टिकोण में निहित, दलित राजनीति का एक स्पष्ट बौद्धिक और नैतिक ढाँचा है। जाति का उन्मूलन जैसी रचनाएँ प्रणालीगत असमानता की एक ऐसी आलोचना प्रस्तुत करती हैं जो दलितों से परे भी गूंजती है और एक व्यापक सामाजिक न्याय विमर्श को प्रेरित करती है। भारत के संविधान के निर्माण में आंबेडकर की भूमिका ने दलितों को शिक्षा, नौकरियों और विधायिकाओं में आरक्षण (जैसे, अनुसूचित जातियों के लिए 15: संसदीय सीटें) जैसे साधन प्रदान किए। इस संस्थागत समर्थन ने राजनीतिक प्रतिनिधित्व और संसाधनों तक पहुँच सुनिश्चित की है, जिससे एक मुखर दलित मध्यम वर्ग और नेतृत्व का निर्माण हुआ है। दलित राजनीति सामुदायिक एकजुटता पर फलती-फूलती है, जैसा कि 1970 के दशक में दलित पैंथर्स जैसे आंदोलनों या अत्याचारों के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों (जैसे, ऊना कोड़े मारने कांड, 2016) में देखा जा सकता है। जमीनी स्तर पर लामबंदी करने की यह क्षमता जातिगत मुद्दों को राजनीतिक रूप से प्रासंगिक बनाए रखती है। बौद्ध धर्म, अम्बेडकरवादी प्रतीकों (जैसे, नीले झंडे, मूर्तियाँ) और साहित्य को अपनाने से एक विशिष्ट दलित पहचान को बढ़ावा मिला है, जिसने उच्च-जाति के आधिपत्य का मुकाबला किया है और आत्मविश्वास को बढ़ाया है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, दलित वोट चुनावों को प्रभावित कर सकते हैं, जैसा कि मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने दिखाया है, जो कई बार मुख्यमंत्री बनीं। यह चुनावी प्रभाव मुख्यधारा के दलों को दलितों की चिंताओं को दूर करने के लिए मजबूर करता है। दलित राजनीति आंतरिक विभाजनोंकृवैचारिक, क्षेत्रीय और उपजातिगत प्रतिर्द्वंद्विता (जैसे, महार बनाम चमार) से ग्रस्त है। बसपा, लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) और विदुथलाई चिरुथैगल काची (वीसीके) जैसी कई पार्टियाँ अक्सर एकजुट होने के बजाय प्रतिस्पर्धा करती हैं, जिससे उनकी सामूहिक शक्ति कमजोर हो जाती है। हालाँकि आरक्षण एक ताकत है, लेकिन यह एक बैसाखी भी बन गया है, जिससे दलित राजनीति व्यापक परिवर्तनकारी एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय आरक्षण की रक्षा तक सीमित हो गई है। इससे इसकी अपील कम हो जाती है और संभावित सहयोगी अलग-थलग पड़ जाते हैं। कांग्रेस और भाजपा जैसी राष्ट्रीय पार्टियों ने दलित नेताओं और मतदाताओं को संरक्षण (जैसे, कैबिनेट पद) देकर या अंबेडकर की विरासत को अपनाकर, स्वतंत्र दलित आंदोलनों को कमजोर करके, अपने में समाहित कर लिया है। उदाहरण के लिए, गैर-जाटव दलित जातियों तक भाजपा की पहुँच ने वोट आधार को विभाजित कर दिया है। राजनीतिक लाभ के बावजूद, कई दलित आर्थिक रूप से वंचित हैंकृभूमिहीन, अल्पशिक्षित और कम वेतन वाली नौकरियों में फँसे हुए हैं। इससे स्थायी राजनीतिक सत्ता के लिए आवश्यक संसाधन और स्वायत्तता सीमित हो जाती है। जातिगत तनावों या भिन्न प्राथमिकताओं के कारण दलित राजनीति को अन्य हाशिए पर पड़े समूहों (जैसे, ओबीसी, मुस्लिम, आदिवासी) के साथ लगातार तालमेल बिठाने में संघर्ष करना पड़ा है, जिससे उच्च जातियों के प्रभुत्व को व्यापक रूप से चुनौती देने की इसकी क्षमता सीमित हो गई है। दलित राजनीति की दिशा इस बात पर निर्भर करती है कि वह समकालीन चुनौतियों और अवसरों के साथ कैसे तालमेल बिठाती है। भविष्य में क्या हो सकता है, यहाँ बताया गया है। प्रासंगिक बने रहने के लिए, दलित राजनीति जाति से आगे बढ़कर वर्ग, लिंग और पर्यावरणीय न्याय को शामिल करने के लिए अपना ध्यान केंद्रित कर सकती है, और किसानों, श्रमिकों और महिला आंदोलनों के साथ गठबंधन बना सकती है। सोशल मीडिया और तकनीक दलितों को अपनी कहानी को वैश्विक बनाने, अत्याचारों को उजागर करने और समर्थन जुटाने के लिए मंच प्रदान करते हैं। उदाहरण के लिए, ग्पोस्ट अक्सर जातिगत हिंसा को उजागर करते हैं, जिससे अधिकारियों और समाज पर दबाव बना रहता है। भविष्य में दलित राजनीति प्रतीकात्मक लाभ से आगे बढ़कर आर्थिक न्यायकृभूमि सुधार, उद्यमिता और कौशल विकासकृको प्राथमिकता दे सकती है। इससे आरक्षण पर निर्भरता कम हो सकती है और एक मजबूत मतदाता आधार तैयार हो सकता है। बसपा जैसी पार्टियों के सामने एक विकल्प हैरू केवल दलितों पर केंद्रित रहें (मतदान घटने के साथ अप्रासंगिकता का जोखिम उठाते हुए) या बहु-जातीय गठबंधन बनाएँ, जैसा कि मायावती ने 2007 में अपनी ष्सर्वजनष् रणनीति के साथ किया था। बाद वाले से दलित पहचान कमजोर होने का जोखिम है, लेकिन इससे सत्ता भी मिल सकती है। हिंदू राष्ट्रवाद का पुनरुत्थान एक चुनौती पेश करता है, क्योंकि यह अक्सर जाति-ग्रस्त अतीत का महिमामंडन करता है और दलित आवाजों को हाशिए पर धकेल देता है।

नेपाल के Gen-Z के साथ फिर बड़ा धोखा हो गया क्या?

नेपाल की सड़कों पर उतर कर हंगामा करने वाले Gen-Z प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना, राजनीतिक अव्यवस्था एवं भाई-भतीजावाद को खत्म करने के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगे प्रतिबंध को हटाना था। नेपाल और नेपाल जैसे कई लोकतांत्रिक देशों में युवाओं के साथ लगातार छल होता रहा है। कई देशों में युवाओं ने सड़क पर उतर कर अपने साथ किए गए धोखे का जवाब भी देने की कोशिश की लेकिन विडंबना देखिए कि एक लंबी लड़ाई लड़ने के बावजूद भी युवाओं के हाथ अंत में खाली ही रह जाते हैं। नेपाल के ज्यादातर युवा आंदोलनकारी अपने आपको अब इसी स्थिति में महसूस कर रहे हैं। हिंसा या हिंसक आंदोलन को किसी भी स्थिति में जायज नहीं ठहराया जा सकता। यह भी अपने आप में एक तथ्य है कि नेपाल में जिस तेजी से अचानक Gen-Z युवा आक्रमक अंदाज में सड़कों पर उतर गए, उसमें किसी विदेशी ताकत के हाथ से इनकार नहीं किया जा सकता। लेकिन यह भी यह स्थापित तथ्य है कि दुनिया का कोई भी देश किसी भी देश में गड़बड़ी तभी करा पाता है,जब उस देश में लोगों का असंतोष चरम पर पहुंच जाता है। नेपाल में उसी तरह के हालात बन गए थे,इससे भला कौन इनकार कर सकता है। नेपाल की सड़कों पर उतर कर हंगामा करने वाले Gen-Z प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांगों में भ्रष्टाचार पर लगाम लगाना, राजनीतिक अव्यवस्था एवं भाई-भतीजावाद को खत्म करने के साथ ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगे प्रतिबंध को हटाना था। लेकिन सड़कों पर उतरे युवा एक सुर में कह रहे थे कि उन्होंने अपने देश में बुजुर्ग नेताओं से तंग आकर आंदोलन किया है। नेपाली युवा एक सुर में सत्ता सुख भोग रहे या सत्ता सुख भोग चुके नेताओं को पूरी तरह से हटा देना चाहते थे। लेकिन क्या वाकई उनकी यह मंशा पूरी हुई ? नेपाल में शांति स्थापित करने के नाम पर पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की को अंतरिम सरकार के प्रधानमंत्री के रूप में सत्ता सौंप दी गई है। आपको बता दें कि, 7 जून 1952 को जन्मी सुशीला कार्की, नेपाल के सर्वोच्च न्यायालय की प्रथम महिला मुख्य न्यायाधीश रह चुकी हैं। प्रधानमंत्री पद की शपथ लेते ही, वह नेपाल की पहली महिला प्रधानमंत्री बन गई हैं। लेकिन बुजुर्ग नेताओं से त्रस्त नेपाल को शांति स्थापित करने के नाम पर 73 वर्ष की एक नई प्रधानमंत्री के हाथों में सौंप दिया गया है।

ऐसे में सबसे बड़ा सवाल तो यही खड़ा हो रहा है कि क्या 73 वर्ष की सुशीला कार्की नेपाल के Gen-Z प्रदर्शनकारियों के साथ न्याय कर पाएंगी? उनकी परेशानियों और दिक्कतों को समझ कर, दूर कर पाएंगी ? अगर सिर्फ चुनाव करा देना ही समस्या का समाधान होता तो नेपाली युवाओं को सड़कों पर क्यों उतरना पड़ता? यह भी ध्यान रखिएगा कि जो भी व्यक्ति (भले ही वह किसी भी पद पर रहा हो) सत्ता प्रतिष्ठान का हिस्सा रहा हो वो उस व्यवस्था में कभी भी बड़ा और व्यापक बदलाव नहीं ला सकता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि इतने बड़े बवाल के बावजूद बुजुर्ग नेताओं के रवैए में कोई बड़ा बदलाव देखने को नहीं मिल रहा है। ये सब आज भी अपने-अपने राजनीतिक दलों पर कब्जा जमाए बैठे हैं और अभी से इन्होंने बदलाव का विरोध करना शुरू कर दिया है। नेपाल के राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल ने शुक्रवार शाम को सुशीला कार्की को शीतल निवास में अंतरिम प्रधानमंत्री के तौर पर पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। राष्ट्रपति पौडेल ने संविधान के अनुच्छेद 61 के तहत कार्की को प्रधानमंत्री नियुक्त किया है। 2015 में नए संविधान के लागू होने के बाद से सभी पिछली सरकारें अनुच्छेद 76 के तहत गठित हुई थीं लेकिन पहली बार अनुच्छेद 61 के तहत कार्की को नेपाल का प्रधानमंत्री बनाया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय की तरफ से यह भी बताया गया है कि अंतरिम प्रधानमंत्री को छह महीने के भीतर देश में चुनाव कराने का निर्देश दिया गया है। गौर कीजिएगा, सुशीला कार्की के शपथ ग्रहण समारोह का नेपाल की संसद के दोनों सदनों के अध्यक्षों और सांसदों ने बहिष्कार किया। राष्ट्रपति भवन से निमंत्रण मिलने पर भी प्रतिनिधि सभा के स्पीकर देवराज घिमिरे और राष्ट्रीय सभा के अध्यक्ष नारायण दहल शपथ ग्रहण समरोह में नहीं पहुंचे। ध्यान रहे, घिमिरे केपी ओली की पार्टी के सांसद हैं जबकि दहल पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचण्ड की पार्टी के नेता है। नेपाल के राजनीतिक दल या दूसरे शब्दों में कहें तो नेपाल के बुजुर्ग नेता संसद भंग के फैसले का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में अगर 6 महीने के भीतर जब भी चुनाव होंगे तो यही राजनीतिक दल और यही नेता तो लड़ेंगे।

हिंदी: राजभाषा, राष्ट्रभाषा और विश्वभाषा

एक भाषा के रूप में हिंदी न सिर्फ भारत की पहचान है, बल्कि हमारे जीवन मूल्यों, संस्कृति और संस्कारों की सच्ची संवाहक, संप्रेषक और परिचायक भी है। बहुत सरल, सहज और सुगम भाषा होने के साथ हिंदी विश्व की संभवतः सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जिसे दुनिया भर में समझने, बोलने और चाहने वाले लोग बहुत बड़ी संख्या में मौजूद हैं। यह विश्व में तीसरी सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषा है, जो हमारे पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन सभ्?यता और आधुनिक प्रगति के बीच एक सेतु भी है। हिंदी भारत संघ की राजभाषा होने के साथ ही ग्यारह राज्यों और तीन संघ शासित क्षेत्रों की भी प्रमुख राजभाषा है। संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल अन्य इक्कीस भाषाओं के साथ हिंदी का एक विशेष स्थान है। आज देश में तकनीकी और आर्थिक समृद्धि के साथ-साथ अंग्रेजी पूरे देश पर हावी होती जा रही है। देश की राजभाषा हिंदी होने के बावजूद आज हर जगह अंग्रेजी का वर्चस्व कायम है। हिंदी जानते हुए भी लोग हिंदी में बोलने, पढ़ने या काम करने में हिचकने लगे हैं। इसलिए भारत सरकार का प्रयास है कि हिंदी के प्रचलन के लिए उचित माहौल तैयार किया जा सके। राजभाषा हिंदी के विकास के लिए खासतौर से भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अंतर्गत राजभाषा विभाग का गठन किया गया है। भारत सरकार का राजभाषा विभाग इस दिशा में प्रयासरत है कि केंद्र सरकार के अधीन कार्यालयों में अधिक से अधिक कार्य हिंदी में हो। केंद्र सरकार के कार्यालयों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग सुनिश्?चित करने हेतु भारत सरकार के राजभाषा विभाग द्वारा उठाए गए कदमों के परिणामस्?वरूप कंप्?यूटर पर हिंदी में कार्य करना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो गया है। राजभाषा विभाग द्वारा वेब आधारित सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित की गई है, जिससे भारत सरकार के सभी कार्यालयों में हिंदी के उत्तरोत्तर प्रयोग से संबंधित तिमाही प्रगति रिपोर्ट तथा अन्?य रिपोर्टें राजभाषा विभाग को त?वरित गति से भिजवाना आसान हो गया है। सभी मंत्रालयों और विभागों ने अपनी वेबसाइटें हिंदी में भी तैयार कर ली हैं। सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा संचालित जन कल्याण की विभिन्न योजनाओं की जानकारी आम नागरि?कों को हिंदी में मिलने से गरीब, पिछड़े और कमजोर वर्ग के लोग भी लाभान्वि होते हुए देश की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। देश की स्वतंत्रता से लेकर हिंदी ने कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल की हैं। भारत सरकार द्वारा विकास योजनाओं तथा नागरिक सेवाएं प्रदान करने में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हिंदी तथा प्रांतीय भाषाओं के माध्यम से हम बेहतर जन सुविधाएं लोगों तक पहुंचा सकते हैं। इसके साथ ही विदेश मंत्रालय द्वारा विश्व हिंदी सम्मेलन और अन्य अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों के माध्यम से हिंदी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय बनाने का कार्य किया जा रहा है। इसके अलावा प्रत्येक वर्ष सरकार द्वारा प्रवासी भारतीय दिवस मनाया जाता है, जिसमें विश्व भर में रहने वाले प्रवासी भारतीय भाग लेते हैं। विदेशों में रह रहे प्रवासी भारतीयों की उपलब्धियों के सम्मान में आयोजित इस कार्यक्रम से भारतीय मूल्यों का विश्व में और अधिक विस्तार हो रहा है। विश?वभर में करोड़ों की संख्या में भारतीय समुदाय के लोग एक संपर्क भाषा के रूप में हिंदी का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को एक नई पहचान मिली है। भारतीय विचार और संस्?कृति का वाहक होने का श्रेय हिंदी को ही जाता है। आज संयुक्त राष्ट्र जैसी संस्थाओं में भी हिंदी की गूंज सुनाई देने लगी है। हिंदी आम आदमी की भाषा के रूप में देश की एकता का सूत्र है। सभी भारतीय भाषाओं की बड़ी बहन होने के नाते हिंदी विभिन्न भाषाओं के उपयोगी और प्रचलित शब्दों को अपने में समाहित करके सही मायनों में भारत की संपर्क भाषा होने की भूमिका निभा रही है। हिंदी जन-आंदोलनों की भी भाषा रही है। हिंदी के महत्त्व को गुरुदेव रवींद्र नाथ टैगोर ने बड़े सुंदर रूप में प्रस्तुत किया था। उन्होंने कहा था, भारतीय भाषाएं नदियां हैं और हिंदी महानदी। हिंदी के इसी महत्व को देखते हुए तकनीकी कंपनियां इस भाषा को बढ़ावा देने की कोशिश कर रही हैं। यह खुशी की बात है कि सूचना प्रौद्योगिकी में हिंदी का इस्?तेमाल बढ़ रहा है। आज वैश्वीकरण के दौर में, हिंदी विश्व स्तर पर एक प्रभावशाली भाषा बनकर उभरी है। आज पूरी दुनिया में 260 से अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी भाषा पढ़ाई जा रही है। ज्ञान-विज्ञान की पुस्तकें बड़े पैमाने पर हिंदी में लिखी जा रही हैं। सोशल मीडिया और संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है। भाषा का विकास उसके साहित्य पर निर्भर करता है। आज के तकनीकी के युग में विज्ञान और इंजीनियरिंग के क्षेत्र में भी हिंदी में काम को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि देश की प्रगति में ग्रामीण जनसंख्या सहित सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। इसके लिए यह अनिवार्य है कि हिंदी और अन्य भारतीय भाषाओं में तकनीकी ज्ञान से संबंधित साहित्य का सरल अनुवाद किया जाए। इसके लिए राजभाषा विभाग ने सरल हिंदी शब्दावली भी तैयार की है।

मनोरंजन

बिस्कुट-साबुन के छोटे पैकेट नहीं होंगे सस्ते, एफएमसीजी कंपनियां सीधे राहत देने में असमर्थ

नई दिल्ली , एफएमसीजी कंपनियों ने सीबीआईसी से कहा कि वे 5 रुपये, 10 रुपये और 20 रुपये की कीमत वाले छोटे पैकेट पर जीएसटी दरों में कमी के अनुपात में एमआरपी नहीं घटा पाएंगी, क्योंकि इससे कीमतें उस स्तर तक गिर जाएंगी, जो नियमित भारतीय उपभोक्ता के लिए मनोवैज्ञानिक रूप से उपयुक्त नहीं होगी। जीएसटी दरों में कटौती के बाद भी 22 सितंबर से बिस्कुट, साबुन और टूथपेस्ट के छोटे पैकेट सस्ते नहीं होंगे, क्योंकि एफएमसीजी कंपनियां कम मूल्य वाली वस्तुओं की खुदरा बिक्री कीमतों (एमआरपी) पर कर दरों में कमी का लाभ सीधे हस्तांतरित नहीं कर पाएंगी। दैनिक उपभोग के उत्पाद बनाने वाली एफएमसीजी कंपनियों ने केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के समक्ष छोटे पैकेट पर जीएसटी में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं को देने में असमर्थता जताई है।

अभिनेत्री ने सोशल मीडिया को कहा अलविदा, बोलीं- सिनेमा को देना चाहती हूं समय

मलयालम और तमिल सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री ऐश्वर्या लक्ष्मी ने हाल ही में एक बड़ा फैसला लिया है। उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी बनाकर अपने अभिनय और फिल्मों पर ध्यान केंद्रित करने का ऐलान किया है। ऐश्वर्या का कहना है कि वक्त के साथ उन्होंने महसूस किया कि सोशल मीडिया ने उनकी असली सोच और जीवन की छोटी-छोटी खुशियों को उनसे छीन लिया है। सोशल मीडिया से मिली राहत ऐश्वर्या लक्ष्मी ने बताया कि लंबे समय तक उन्हें यह विश्वास दिलाया गया कि एक्टिंग करियर को आगे बढ़ाने के लिए सोशल मीडिया जरूरी है। इंडस्ट्री में बने रहने और दर्शकों से जुड़े रहने के लिए उन्होंने भी इस तरीके को अपनाया। लेकिन धीरे-धीरे उन्हें महसूस हुआ कि यह प्लेटफॉर्म उनके काम में बाधा बन रहा है। ये ना सिर्फ उनकी तैयारी को प्रभावित कर रहा था, बल्कि उनके निजी जीवन की सहजता भी खो रही थी। उन्होंने पोस्ट करते हुए लिखा कि इंटरनेट की चमक-दमक में फंसकर वह उस ओर मुड़ गईं जो असल में उन्हें करना ही नहीं था। लगातार लाइक और कमेंट्स की होड़ में उनकी भाषा, सोच और अनुभव कहीं न कहीं पीछे छूट गए। खुद के लिए लिया बड़ा फैसला अभिनेत्री ने कहा कि सोशल मीडिया छोड़ना उनके जीवन का पहला मौलिक विचार है, जिसे उन्होंने पूरी तरह अपनाया। उनका मानना है कि कलाकार को किसी सांचे में ढालकर नहीं देखा जाना चाहिए। वह चाहती हैं कि उनकी पहचान उनके अभिनय और सिनेमा से बने, न कि सिर्फ इंस्टाग्राम पोस्ट्स और ट्रेंड्स से। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस फैसले के बाद शायद लोग उन्हें भूल जाएं, लेकिन वह इस जोखिम को उठाने के लिए तैयार हैं। सिनेमा पर देना चाहती हैं ध्यान ऐश्वर्या ने साफ किया कि अब उनका लक्ष्य सिनेमा बनाना और जीना है। वह चाहती हैं कि आगे की उनकी फिल्मों में वही गहराई और संवेदनशीलता झलके, जिसे वह अपनी असल जिंदगी में महसूस करती हैं। उन्होंने कहा कि अगर भविष्य में वह सचमुच कुछ बेहतर रचनाएं करती हैं, तो दर्शक उन्हें पुराने अंदाज में प्यार दें। ऐश्वर्या का फिल्मी सफर करियर की बात करें तो ऐश्वर्या लक्ष्मी ने मलयालम और तमिल फिल्मों से अपनी पहचान बनाई है। उन्होंने कुछ तेलुगु फिल्मों में भी अभिनय किया है। हाल ही में वह सूरी के साथ मामन और कमल हासन व सिलंबरासन टीआर के साथ थग लाइफ में नजर आई थीं।

फ्लावर प्रिंट ड्रेस में सुरवीन चावला ने दिखाया सिजलिंग अंदाज

दिल लूट लेंगी एक्ट्रेस की ये तस्वीरें

सुरवीन चावला टीवी से लेकर बॉलीवुड में अपनी दमदार एक्टिंग से लोगों का दिल जीता। वे वेब सीरीज सेक्रेड गेम्स और अब क्रिमिनल जस्टिस 4 में भी नजर आ चुकी हैं। एक्टिंग के साथ-साथ सुरवीन अपने लुक्स को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। हाल ही में सुरवीन ने अपनी कुछ तस्वीरें शेयर की जिसमें उनका बेहद एलीगेंट और मॉडर्न स्टाइल का एक खूबसूरत मिक्स देखने को मिल रहा है। लुक्स की बात करें तो सुरवीन चावला ने ब्लैक कलर की फ्लोरल गाउन में स्टनिंग दिखीं जिस पर गुलाबी और हरे रंग के फूलों का प्रिंट बना हुआ है। सुरवीन के इस गाउन का फैब्रिक सिल्की और शाइनी है जो पूरे लुक को एक रिच टच दे रहा है। सुरवीन ने सटल मेकअप (न्यूड टोन लिप्स, हल्का बेस और डिफाइन आईज) करवाया है जो उनके नैचुरल ब्यूटी इन्हेंस कर रहा हैं। हेयरस्टाइल के लिए सुरवीन ने आधा टाई-अप स्टाइल है जिससे उनका चेहरा और जॉ-लाइन और भी हाईलाइट हो रहा है।सुरवीन बेड पर लेट कर कातिलाना अंदाज में पोज दे रही हैं। सुरवीन के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह हाल ही मे अंधेरा नाम की सुपरनेचुरल हॉरर-थ्रिलर वेब सीरीज में नजर आई हैं। यह 14 अगस्त 2025 से प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम हो गई। इसके साथ सुरवीन क्रिमिनल जस्टिस सीजन 4 -ए फैमिली मैटर में भी अहम रोल निभा रही हैं। वहीं नेटफ्लिक्स की पॉपुलर सीरीज राणा नायडू सीजन 2 में भी सुरवीन नजर आएंगी।

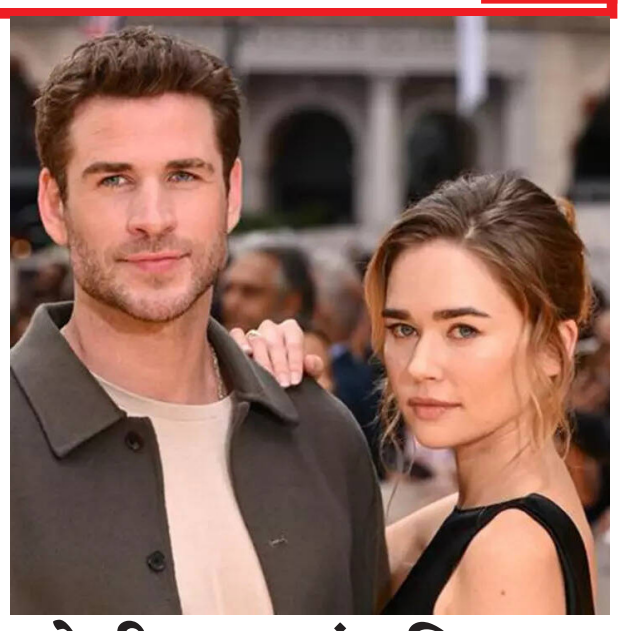

लेडी लव संग लियाम हेम्सवर्थ ने की सगाई

गैब्रिएला ब्रूक्स ने फ्लॉन्ट की खूबसूरत रिंग

एक्टर लियम हेम्सवर्थ ने अपनी लेडीलव गैब्रिएला ब्रूक्स के साथ सगाई कर ली है। लियम हेम्सवर्थ 2019 से एक-दूसरे के साथ हैं। माइली से उनका तलाक 2020 में फाइनल होने से पहले ही उनका रिश्ता शुरू हो चुका था। अब पांच साल की डेटिंग के बाद कपल ने अपनी सगाई अनाउंस कर दी। गैब्रिएला ब्रूक्स ने इंस्टाग्राम पर एक रोमांटिक तस्वीरों के कैरोसेल के जरिए लियम हेम्सवर्थ से अपनी सगाई का ऐलान किया। इन तस्वीरों में से एक में ब्रूक्स ने लियम को बाहों में थाम रखा था। एक्टर कैमरे के सामने प्यारी सी मुस्कान दे रहे थे। इसी दौरान अनमार्केबल स्टार ने अपनी कीमती इंगेजमेंट रिंग भी फ्लॉन्ट की। गैब्रिएला ब्रूक्स ने इसके साथ कैप्शन में दिल वाले इमोजी लगाई है। बता दें कि गैब्रिएला ब्रूक्स से पहले लियम हेम्सवर्थ ने माइली साइरस से 23 दिसंबर 2018 को शादी की थी। उनका तलाक 28 जनवरी 2020 को आधिकारिक रूप से फाइनल हुआ।

सत्ता की चोटी पर पहुंची आहना- जीता पहला अल्टीमेट रूलर टिकट

एक ऐसे खेल में जहाँ कूटनीति अक्सर नकली होती है, आहना की निर्मम ईमानदारी ही उसकी तलवार है और उसकी ढाल भी। यह अभिनेत्री शब्दों को घुमाती नहींकृचाहे वह अपने सह-प्रतियोगी बाली को सीधे बुलाना हो या दूसरों को जवाबदेह ठहराना। उसका यह बेबाक अंदाज कुछ घरवालों को खटक सकता है, लेकिन वही उसे सम्मानकृऔर डरकृभी दिला रहा है। और अब, आहना को चुना गया है केवल तीन अल्टीमेट रूलर कंटेंडर (अल्टीमेट रूलर कंटेंडरशिप टिकट) में से एक के रूप में। यह टिकट कोई सौंपा नहीं जाताकृयह कमाया जाता है। और आहना ने इसे बिना माँगे ही हासिल कर लिया।जहाँ बाकी लोग शक्ति के पीछे भाग रहे थे, आहना ने भरोसा बनाया। जहाँ प्रतिद्वंद्वी डींगें हाँक रहे थे, वह सुन रही थी। और जहाँ एलीट राजनीति खेल रहे थे, वहाँ आहना बस३ मौजूद रही। हर दिन। स्थिर, भरोसेमंद, और अफरातफरी में भी अडिग। नतीजा? बिना किसी विरोध के वोट। अटल जनादेश। और सत्ता की सबसे ऊँची जगह। उसने यह पद पाने के लिए लड़ाई नहीं लड़ी। उसने पहचान माँगी भी नहीं। लेकिन जहाँ बाकी लोग लड़खड़ा गए, वह टिकी रही। जहाँ लोग प्रभाव के पीछे भागे, उसने भरोसा कायम किया। तहखाने में काम करने वाले सिर्फ आहना को वोट नहीं दे रहे थे। वे उसके चारों ओर इकट्ठा हो गए। उन्होंने वह पहचान लिया जो बाकी अब तक नहीं देख पाए थे। सच्ची नेतृत्व क्षमता हमेशा शोरगुल वाली नहीं होती। कई बार, वह शांत, संयमित और निर्विवाद रूप से मजबूत होती है।यह जीत आहना को सिर्फ एक दावेदार नहीं बनाती, बल्कि पहले घोषित भविष्य शासक के रूप में स्थापित करती है। कामगारों ने उसे इसलिए नहीं चुना क्योंकि उन्हें कहा गया था। उन्होंने उसे इसलिए चुना क्योंकि वह एक दुर्लभ चीज का प्रतिनिधित्व करती हैरू अफरातफरी में स्थिरता, उलझन में स्पष्टता, और टकराव में शांति। अब जब आहना के पास पहला अल्टीमेट रूलर टिकट है, दांव बदल गए हैं। सभी स्तरों की नजरें अब उस पर हैंकृकुछ प्रशंसा से, तो कुछ बेचैनी से।जो भी शक्ति चाहता है, उसे यह साबित करना होगा कि वह भी वही भरोसा और वफादारी पैदा कर सकता हैकृबिना शोर, बिना चालाकी और बिना महत्वाकांक्षा के।

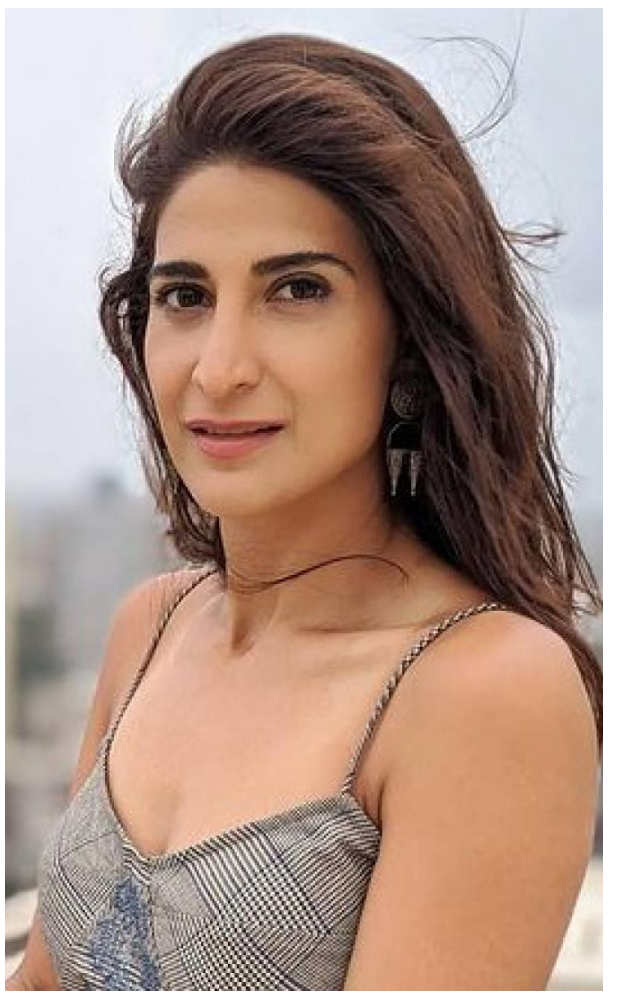

श्रीकांत ओडेला की नेचुरल स्टार नानी स्टारर द पैराडाइज के लिए 5 महीने में तैयार हुआ विशाल स्लम सेट

डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला ने कहानी कहने का तरीका बदलते हुए स्लम्स के बड़े सेट्स को तैयार करने का फैसला किया, जिनके बीचों-बीच एक बड़ा आर्च बनाया गया। उनका आइडिया यह था कि इसे एक बड़े साम्राज्य की तरह दिखाया जाए, बिल्कुल वैसे ही जैसे बाहुबली में महिष्मती साम्राज्य को दिखाया गया था। नेचुरल स्टार नानी की द पैराडाइज का क्रेज इसके फर्स्ट लुक के सामने आने के साथ ही शुरू हो गया था। इस फिल्म को टैलेंटेड श्रीकांत ओडेला डायरेक्ट कर रहे हैं, जिन्होंने हाल ही में दसरा के साथ एक बड़ी सफलता अपने नाम की थी। ऐसे में यह फिल्म अपनी घोषणा के समय से ही इंडिया की सबसे ज्यादा इंतजार की जाने वाली फिल्मों में से एक बन गई है। यह फिल्म नेचुरल स्टार नानी और डायरेक्टर श्रीकांत ओडेला की एक और बड़ी कोलैबोरेशन है, जिन्होंने पहले दसरा जैसी ब्लॉकबस्टर दी थी। इस बार भी फिल्म को एक बड़े सिनेमैटिक स्पेक्टेकल की तरह पेश किया जा रहा है। टीम ने इसके लिए एक बेहद विशाल स्लम सेट तैयार किया है, जिसे बनाना अपने आप में चौलेंजिंग काम था। द पैराडाइज के लिए एक अनोखा सेट बनाने में आर्ट डिपार्टमेंट ने डायरेक्शन टीम, एक्शन टीम और सॉन्ग कोरियोग्राफर्स के साथ मिलकर दिन-रात मेहनत की है। असली चुनौती यह थी कि स्लम को एक बड़े साम्राज्य की तरह दिखाया जाए। वैसे भी स्लम्स को रीक्रिएट करना बेहद चौलेंजिंग होता है, क्योंकि असल जिंदगी में वे खुद-ब-खुद छोटे-छोटे जगहों का हर इंच इस्तेमाल करके बना होता है। इसीलिए, सेट को कई छोटे-छोटे हिस्सों को मिलाकर एक बहुत बड़ा सेटअप बनाना पड़ा। इसके लिए कहानी के डेवलेपमेंट के लिए खास जगहों की जरूरत थी, जिसमें बीच में एक बड़ा आर्च भी था, जो पूरे राज्य के महल को दिखाता था। घ्इस काम में बहुत ज्यादा रिसर्च, मॉक-अप, मॉडल सेट बनाना और आखिर में असली सेट बनाना शामिल था, जिसमें मेकर्स को 5 महीने का लंबा समय लग गया। अभी भी दो और बड़े सेटअप पर काम चल रहा है। द पैराडाइज के प्रोडक्शन डिजाइनर अविनाश कोल्ला ने कहा, द पैराडाइज ऐसी फिल्म है जिसमें सेट बनाने के लिए एक बिल्कुल अलग एप्रोच की जरूरत थी। कहानी के मुताबिक हमें एक बहुत बड़ा स्लम बनाना था, जो सिर्फ एक बड़े पैमाने पर बने साम्राज्य को ही न दिखाए बल्कि कहानी के लिए एक अहम लोकेशन भी बने। ये वाकई एक चुनौती थी, जिसके लिए हमने काफी रिसर्च किया और ढेरों आइडियाज पर काम किया ताकि इसे अच्छे से बनाया जा सके।कहना गलत नहीं होगा कि द पैराडाइज श्रीकांत ओडेला की एक और शानदार फिल्म बनने जा रही है, जिसमें उनका खास अंदाज साफ दिखाई दे रहा है। उनकी छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देने की कला ही उनके हर प्रोजेक्ट को अलग और चर्चा में बनाए रखती है। बता दें कि वह इससे पहले नन्नाकु प्रेमथो और रंगस्थलम में सुकुमार के असिस्टेंट डायरेक्टर के रूप में काम कर चुके है।

सेबी-सहारा खाते से जमाकताओं को 5,000 करोड़ जारी करने का आदेश, 2026 तक बढ़ाई गई वितरण का समय

नई दिल्ली, सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में सेबी और सहारा के खाते से जमाकताओं को 5000 करोड़ जारी करने का आदेश पारित किया। दो जजों की खंडपीठ ने इस आदेश के माध्यम से राशि के वितरण की समय सीमा 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दी। जानिए क्या है पूरा मामला सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार के अनुरोध पर सहारा समूह की ओर से भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) में जमा धनराशि में से 5000 करोड़ रुपये के नए वितरण की अनुमति दे दी ताकि सहारा समूह सहकारी समितियों के जमाकताओं का बकाया चुकाया जा सके। सरकार की अपील पर समय सीमा 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ाई जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश पारित किया। पीठ ने मार्च 2023 के आदेश और शुक्रवार के आदेश के जरिए निवेशकों के लिए जारी की गई राशि के वितरण की समयसीमा 31 दिसंबर, 2026 तक बढ़ा दी। रएइकके वकील ने सोमवार तक समय मांगा, अदालत ने ठुकराई अपील बाद में सेबी की ओर से एक वकील पेश हुए और उन्होंने निर्देश प्राप्त करने के लिए सोमवार तक का समय मांगा।

संसद भंग करने पर बढ़ी नाराजगी

नेपाल के वकीलों ने राष्ट्रपति के फैसले को बताया असंवैधानिक और मनमाना

काठमांडू (एजेंसी)। नेपाली कांग्रेस ने कहा, 'संसद को भंग करने का यह कदम हमारे संविधान की भावना और सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के खिलाफ है। यह पूरी तरह से असंवैधानिक है।' सीपीएन-यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल ने भी संसद भंग करने के फैसले की आलोचना की। नेपाल के राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने शुक्रवार को औपचारिक रूप से संसद भंग कर दी और सुशीला कार्की को अंतरिम प्रधानमंत्री नियुक्त किया। हालांकि राष्ट्रपति के इस फैसले का विरोध भी शुरू हो गया है। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों और अधिवक्ताओं के शीर्ष संगठन ने राष्ट्रपति के संसद भंग करने के फैसले की कड़ी आलोचना की है और इस कदम को असंवैधानिक, मनमाना और लोकतंत्र के लिए एक गंभीर झटका बताया है। कैबिनेट बैठक में प्रतिनिधि सभा भंग करने की सिफारिश की गई शुक्रवार को अंतरिम प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की अध्यक्षता में हुई पहली कैबिनेट बैठक में प्रतिनिधि सभा को भंग करने की सिफारिश की गई, जिसे राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल ने मंजूरी दे दी। राष्ट्रपति कार्यालय द्वारा जारी एक नोटिस के अनुसार, प्रतिनिधि सभा 12 सितंबर, 2025 की रात 11 बजे से भंग हो गई है। इसमें कहा गया है कि राष्ट्रपति ने नए संसदीय चुनाव कराने की तारीख 21 मार्च, 2026 तय की है। सभी राजनीतिक दलों ने संसद भंग करने के इस कदम की निंदा की है। नेपाली कांग्रेस ने दी चेतावनी इस कदम का विरोध करते हुए, देश की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी, नेपाली कांग्रेस (एनसी) ने चेतावनी दी कि संविधान का उल्लंघन करने वाली कोई भी कार्रवाई अस्वीकार्य होगी। नेपाली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को नेपाली कांग्रेस की केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक हुई। जिसमें निष्कर्ष निकाला गया कि संसद के भंग करके देश की लोकतांत्रिक उपलब्धियों को खतरे में डाल दिया गया है। नेपाली कांग्रेस ने कहा, 'संसद को भंग करने का यह कदम हमारे संविधान की भावना और सर्वोच्च न्यायालय की व्याख्या के खिलाफ है। यह पूरी तरह से असंवैधानिक है।' सीपीएन-यूएमएल महासचिव शंकर पोखरेल ने भी संसद भंग करने के फैसले की आलोचना की। उन्होंने इस कदम को चिंताजनक बताया। नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के नेता ने कहा 'अतीत में, संसद को भंग करने के अधिकांश सरकारों के प्रयासों को असंवैधानिक बताकर चुनौती दी गई थी। विडंबना यह है कि वही आवाजें अब संसद को भंग करने का समर्थन कर रही हैं। हमें सतर्क रहना चाहिए।' बार एसोसिएशन ने कहा- इससे संवैधानिक सर्वोच्चता कमजोर होगी सीपीएन (माओवादी केंद्र) ने भी प्रतिनिधि सभा को भंग करने के फैसले पर असहमति व्यक्त की। पार्टी प्रवक्ता और उपाध्यक्ष अग्नि प्रसाद सपकोटा ने कहा कि यह फैसला देश के संवैधानिक ढांचे के खिलाफ है। देर रात जारी एक बयान में, नेपाल बार एसोसिएशन (एनबीए) ने कहा कि 'मनमाने तौर पर संसद भंग करना संवैधानिक सर्वोच्चता को कमजोर करता है और यह संविधानवाद पर प्रहार करता है।

सिंधु नदी में कम होने लगा पानी, कटने लगा तट; परेशान मछुआरों की सरकार ने भी नहीं सुनी फरियाद

कराची (एजेंसी)। फिशरफोक फोरम की केंद्रीय नेता यासमीन शाह ने खुलासा किया कि सिंध के तटीय क्षेत्रों में भूमि का कटाव पहली बार 1950 में रिपोर्ट किया गया था। अब तक लगभग 3.5 मिलियन एकड़ जमीन समुद्र में खो चुकी है। इससे मछुआरा समुदाय को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। पाकिस्तान की सिंधु नदी में पानी कम होने लगा है। साथ ही सिंध के तट पर कटाव होने से मछुआरा समुदाय की चिंता बढ़ गई है। अपनी जमीन और आजीविका

नष्ट होते देख मछुआरों से सरकार से गुहार लगाई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं की गई है। फिशरफोक फोरम की केंद्रीय नेता यासमीन शाह ने खुलासा किया कि सिंध के तटीय क्षेत्रों में भूमि का कटाव पहली बार 1950 में रिपोर्ट किया गया था। अब तक लगभग 3.5 मिलियन एकड़ जमीन समुद्र में खो चुकी है। इससे मछुआरा समुदाय को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ है। तब उनके गांव समुद्र में बह गए थे। इसके कारण हजारों परिवारों को रोजगार की तलाश में पलायन करना पड़ा था। शाह ने कहा कि सिंध सरकार की नीतियों के कारण मत्स्य पालन क्षेत्र में अनुबंध प्रणाली को मजबूत किया गया है। इसने गरीब मछुआरों के रोजगार को बुरी तरह प्रभावित किया है। यह नीति मत्स्य पालन क्षेत्र में फलने-फूलने की चाहत रखने वाली बड़ी कंपनियों के हितों की रक्षा करके मछुआरों के रोजगार को और खतरे में डाल देगी। आपदा प्रबंधन और पुनर्वास विशेषज्ञ नसीर मेमन ने कहा कि कोटरी बैराज और नई नहरों के निर्माण के बाद निचले सिंध इलाकों में रहने वाले लाखों लोग न केवल पीने के पानी से वंचित हो रहे हैं।

यमन में इस्राइली हमले में आवासीय इमारतें तबाह

खंडहरों में रहने के लिए मजबूर परिवार; अब तक 46 की मौत

यमन(एजेंसी)। पिछले दिनों हूती विद्रोहियों ने इस्राइल पर ड्रोन दागा था। ड्रोन ने इस्राइल की बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा को भेद दिया और दक्षिणी इस्राइली हवाई अड्डे पर हमला कर दिया। इसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। इसके जवाब में इस्राइल ने यमन पर हमला किया। हमले में सना के मध्य तहरीर इलाके में दर्जनों घर क्षतिग्रस्त हो गए। यमन में इस्राइली हमलों ने जमकर कहर बरपाया है। इस्राइल की ओर से हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर किए गए हमलों में सना में आवासीय क्षेत्रों को सबसे अधिक नुकसान पहुंचा। हमलों में कई घर बर्बाद हो गए। लोगों को अधिकारियों से मदद नहीं मिल रही है। ऐसे में लोग खंडहर बन चुकी इमारतों में रहने के लिए मजबूर हैं। वहीं हमलों में 46 लोगों की मौत हो गई है। पिछले दिनों

हूती विद्रोहियों ने इस्राइल पर ड्रोन दागा था। ड्रोन ने इस्राइल की बहुस्तरीय हवाई सुरक्षा को भेद दिया और दक्षिणी इस्राइली हवाई अड्डे पर हमला कर दिया। इसमें एक व्यक्ति घायल हो गया। इसके जवाब में इस्राइल ने यमन पर हमला किया। यमन में एक सैन्य मुख्यालय और सना ईंधन स्टेशन समेत आवासीय इमारतों पर मिसाइलें दागी गईं। इन हमलों में 11 महिलाओं और पांच बच्चों सहित 46 लोग मारे गए और 165 घायल हुए। साथ ही 11 स्थानीय पत्रकार भी मारे गए। हूती विद्रोहियों के संस्कृति मंत्रालय के अनुसार इस्राइली हमले से यमन के राष्ट्रीय संग्रहालय को भी नुकसान पहुंचा। वहीं सना के मध्य तहरीर इलाके में दर्जनों घर क्षतिग्रस्त हो गए। वहां की एक निवासी उम तलाल ने कहा कि उसे विश्वास नहीं है कि अधिकारी घर की मरम्मत में मदद करेंगे। यहां वह अपनी बेटी और दो बेटों के साथ रहती है। हवाई हमलों में उनके लिविंग रूम की दीवारें टूट गईं और रसोईघर क्षतिग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा कि सब कुछ पलक झपकते ही खत्म हो गया। अधिकारियों ने आज तक हमें बुलाया तक नहीं। विनाश के बावजूद परिवार जो कुछ भी कर सकता है, उसे ठीक करेगा और अपने घर में रहना जारी रखेगा। एक अन्य निवासी अहमद अल-वसाबी ने कहा कि हमले के वक्त वह और उनका परिवार उस समय घर पर नहीं थे। उनका घर आंशिक रूप से नष्ट हो गया। किराना दुकान मालिक खालिद अल-दबेई ने कहा कि विस्फोट से लोग डर गए और भागने लगे तथा बच्चे और महिलाएं रोने और चीखने लगीं। विस्फोटों के कारण उनकी अलमारियों से सामान गिर गया। हूतियों ने 22 महीने से अधिक समय से इस्राइल की ओर मिसाइलें और ड्रोन दागे हैं। लाल सागर में जहाजों को निशाना बनाया है। उनका कहना है कि वे गाजा में युद्ध के दौरान फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाने के लिए हमला कर रहे हैं। हूती नेता महदी अल-मशात ने बुधवार को हमले जारी रखने की कसम खाई।

भारत 2027 में करेगा 5वीं कोस्ट गार्ड ग्लोबल समिट की मेजबानी, चेन्नई में होगा आयोजन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 2027 में चेन्नई में 5वीं कोस्ट गार्ड ग्लोबल समिट की मेजबानी करेगा। यह फैसला रोम में हुई 4वीं समिट में सर्वसम्मति से लिया गया। तीन दिवसीय समिट में इंटरनेशनल फ्लीट रिव्यू और ग्लोबल सेमिनार होगा। यह आयोजन भारतीय कोस्ट गार्ड की 50वीं वर्षगांठ पर वैश्विक समुद्री सहयोग को नया आयाम देगा। दुनिया के सबसे बड़े समुद्री सुरक्षा मंच पर भारत को एक बड़ी उपलब्धि मिली है। इसके तहत भारत को 2027 में सबसे बड़े समुद्री सुरक्षा मंचों में से एक कोस्ट गार्ड ग्लोबल समिट (सीजीजीएस) के 5वें संस्करण की मेजबानी करेगा। इस फैसले की घोषणा इटली के रोम में 11-12 सितंबर को हुई 4वीं कोस्ट गार्ड ग्लोबल समिट के दौरान की गई। खास बात ये रही कि सभी प्रतिभागियों ने भारत के प्रस्ताव को

सर्वसम्मति से मंजूरी दी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व इंडियन कोस्ट गार्ड के महानिदेशक परमेश शिवमणि ने किया। समिट के दौरान उन्होंने घोषणा की कि 5वीं सीजीजीएस समिट 2027 में चेन्नई में आयोजित की जाएगी, जो भारतीय कोस्ट गार्ड की गोल्डन जुबली (50वीं वर्षगांठ) का भी हिस्सा होगी। कितने दिन का होगा कार्यक्रम? बता दें कि यह समिट तीन दिन का होगा, जिसमें शामिल होंगे इंटरनेशनल कोस्ट गार्ड फ्लीट रिव्यू, वर्ल्ड कोस्ट गार्ड सेमिनारइस समिट का मकसद वैश्विक समुद्री सहयोग को बढ़ावा देना, साझा चुनौतियों पर चर्चा करना और विश्वास व इंटर ऑपरेबिलिटी (आपसी तालमेल) को मजबूत करना होगा। साझा सहयोग पर जोर भारत की मेजबानी को लकर महानिदेशक शिवमणि ने कहा कि आज के समय में कोई भी देश अकेले समुद्री चुनौतियों का सामना नहीं कर सकता, इसलिए यह समिट सभी देशों को एक साझा मंच देगा जहां वे समुद्री सुरक्षा, प्रदूषण नियंत्रण, अपराध रोकथाम और तकनीकी सहयोग जैसे मुद्दों पर मिलकर काम कर सकें।

नशे में मां की हत्या करने वाले भारतीय मूल के बेटे को उम्रकैद, 15 साल बाद होगी पैरोल की समीक्षा

लंदन (एजेंसी)। ब्रिटेन के बर्मिंघम में भारतीय मूल के सुरजीत सिंह को अपनी 76 वर्षीय मां की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा हुई। कोर्ट ने कहा कि 15 साल बाद ही सुरजीत के पैरोल पर विचार होगा। टीवी रिमोट को लेकर विवाद में नशे की हालत में हुई वारदात के बाद सिंह ने भागकर रिश्तेदार को बताया। ब्रिटेन के बर्मिंघम में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। जहां भारतीय मूल के 39 वर्षीय सुरजीत सिंह को अपनी 76 वर्षीय मां मोहिंदर कौर की हत्या के आरोप में उम्रकैद की सजा सुनाई गई है। मामले में कोर्ट ने आदेश दिया कि सिंह को कम से कम 15 साल जेल में रहना होगा, इसके बाद ही उसकी पैरोल पर रिहाई पर विचार किया जाएगा। बता दें कि ये पूरी घटना सितंबर 2023 की है, जब एक टीवी रिमोट को लेकर हुए मामूली विवाद ने पूरे परिवार को तोड़कर रख दिया। विवाद में नशे की हालत में सिंह ने अपनी मां पर जानलेवा हमला कर दिया। पुलिस जांच में सामने आया कि हमले के वक्त सिंह के शरीर में कोकीन और शराब की मात्रा पाई गई थी। जज ने बताया- कमजोर और बुजुर्ग महिला पर बेरहम हमला बर्मिंघम क्राउन कोर्ट में जज ने इसे एक बुजुर्ग और कमजोर महिला पर लंबे समय तक किया गया बेरहम हमला बताया, जिसमें वह खुद का बचाव करने में असमर्थ थीं। पश्चिम मिडलैंड्स पुलिस के डिटेक्टिव इंस्पेक्टर निक बार्न्स ने कहा कि यह एक बेवजह हत्या थी, जिसने पूरे परिवार को तोड़ कर रख दिया। हमारी संवेदनाएं पीड़ित परिवार के साथ हैं। हमले के बाद भागा, रिश्तेदार को दी जानकारी इसके बाद हमले के बाद सिंह ने एक रिश्तेदार को घटना की जानकारी दी और घर से चला गया।

टैरिफ को लेकर भारत की चुप्पी को पूर्व अमेरिकी एनएसए ने सराहा, कहा- यह ट्रंप से निपटने का सबसे अच्छा तरीका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ पर भारत का ज्यादातर चुप रहना और गुप्त कूटनीति पर निर्भर रहना ठीक है। मुझे लगता है कि ट्रंप जैसे व्यक्ति से निपटने का यही सबसे अच्छा तरीका है। अमेरिका की ओर से लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ पर भारत की चुप्पी की पूर्व अमेरिकी एनएसए ने सराहना की है। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन ने कहा कि अमेरिकी टैरिफ पर भारत का ज्यादातर चुप रहना और गुप्त कूटनीति पर निर्भर रहना ठीक है। मुझे लगता है कि ट्रंप जैसे व्यक्ति से निपटने का यही सबसे अच्छा तरीका है। अगर आप उनके बहकावे

में आकर उनके साथ सार्वजनिक रूप से बहस में पड़ जाते हैं, तो इससे चीजें आसान नहीं होंगी। पूर्व अमेरिकी एनएसए ने कहा कि अमेरिका में इस बात को लेकर काफी चिंता थी कि दो टैरिफ मुद्दों के साथ-साथ ट्रंप द्वारा कश्मीर में आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में शांति लाने का श्रेय लेना अनुचित था। मुझे लगता है कि भारत का दीर्घकालिक हित रूस के साथ सैन्य और आर्थिक संबंधों को कम करने में है, क्योंकि रूस तेजी से चीन के साथ एक धुरी बन रहा है। पुतिन और शी जिनपिंग ने असीमित साझेदारी की बात की है। जब प्रधानमंत्री मोदी बीजिंग जाते हैं और पुतिन, शी जिनपिंग और किम जोंग उन से हाथ मिलाते हैं, तो यह अमेरिका के लिए एक संकेत होता है। सभी ने वे तस्वीरें देखीं, लेकिन यह भारत के लिए कोई दीर्घकालिक रणनीति नहीं है। भारत-अमेरिका संबंधों पर उन्होंने कहा कि रिश्ते अब भी वैसे ही हैं। भारत सरकार को ट्रंप को एक बार के प्रस्ताव के रूप में देखना चाहिए और उससे निपटना चाहिए। जो भी कदम उन्हें भारत के राष्ट्रीय हित में लगें, उन्हें उठाना चाहिए, लेकिन इसे ट्रंप की खासियत समझना चाहिए। किसी व्यापक अमेरिकी दृष्टिकोण को नहीं दर्शाना चाहिए। ट्रंप के पास कोई समग्र राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीति नहीं है। वह बहुत ही लेन-देन वाले हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि भारत और अमेरिका के बीच तनाव का एक बड़ा कारण ट्रंप की बेहद अनिश्चित शैली है। हालांकि भारत की ओर से कई चिंताएं हैं, लेकिन सबसे बड़ी चिंता पिछले कई वर्षों से भारतीय कंपनियों द्वारा रूसी तेल और गैस की खरीद पर लगाया गया 25% टैरिफ है। यह दशार्ता है कि ट्रंप कितने अनिश्चित हो सकते हैं क्योंकि उन्होंने प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के लिए रूस पर प्रतिबंध या टैरिफ नहीं लगाया है, न ही उन्होंने प्रतिबंधों का उल्लंघन करने के लिए चीन पर प्रतिबंध या टैरिफ लगाया है। जबकि चीन भारत से कहीं बड़ा खरीदार है और कई अन्य खरीदार हैं। इसमें तुर्किये, पाकिस्तान और अन्य शामिल हैं। भारत के राजदूत बनने के योग्य नहीं सर्जियो गोरः बोल्टन भारत में अमेरिकी राजदूत के रूप में नामित सर्जियो गोर के बारे में जॉन बोल्टन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वह भारत में अमेरिकी राजदूत बनने के योग्य हैं। मुझे लगता है कि जब हम रूसी तेल खरीद पर गौर करते हैं तो भारत और कई अन्य देशों ने प्रतिबंधों में विसंगति का फायदा उठायाा इसका उद्देश्य यूक्रेन में युद्ध के लिए धन जुटाने हेतु रूसी राजस्व को कम करना था।

'अपने पति की विरासत कभी खत्म नहीं होने दूंगी', चार्ली किर्क को याद कर भावुक हुई पत्नी एरिका

वॉशिंगटन (एजेंसी)। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी चार्ली किर्क की पत्नी एरिका किर्क ने एक भावुक

संबोधन में अपने पति को याद किया। यूटा वैली यूनिवर्सिटी में एक कॉलेज कार्यक्रम के दौरान एरिका ने कहा कि मैं अपने पति की विरासत को कभी खत्म नहीं होने दूंगी। अपने पति के ऑफिस से बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुझे अमेरिका, प्रकृति और शिकागो कब्स से प्यार है। अपने पति चार्ली किर्क को याद कर एरिका रो भी पड़ीं। एरिका ने कहा कि चार्ली को अपने बच्चों से सबसे ज्यादा प्यार था। वह मुझे भी पूरे दिल से प्यार करता था। मैं कानून प्रवर्तन अधिकारियों को धन्यवाद देती हूं कि उन्होंने मेरे पति के हत्यारे को पकड़ने के लिए अथक प्रयास किए। पति की हत्या के जिम्मेदारों को कड़ा संदेश देते हुए एरिका ने कहा कि आपको इस बात का अंदाजा नहीं है कि आपने इस पत्नी के भीतर जो आग जलाई है। इस विधवा की चीखें दुनिया भर में युद्ध की पुकार की तरह गूंजेंगी। राष्ट्रपति ट्रंप का जताया आभार चार्ली किर्क की हत्या के बाद राष्ट्रपति ट्रंप के रुख को लेकर भी एरिका ने बात की। एरिका ने कहा कि मेरे पति राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को खूब मानते थे। राष्ट्रपति ट्रंप ने भी मेरे पति का खूब समर्थन किया है। मैं उनके काम, कैंपस दौरे, रेडियो और पॉडकास्ट शो को जीवित रखूंगी। तीन साल की बेटी ने पूछा- पापा कहां है? चार्ली किर्क की पत्नी एरिका ने दुखद संस्मरण साझा करते हुए कहा कि पिछली रात को मेरी तीन साल की बेटी ने मुझसे पूछा कि पापा कहां हैं? आप तीन साल के बच्चे को क्या बताएंगे? मैंने अपनी बेटी से कहा कि बेबी, पापा तुमसे बहुत प्यार करते हैं। तुम चिंता मत करो। वह जीसस के साथ काम पर गए हैं, इसलिए वह तुम्हारे ब्लूबेरी के बजट का खर्च उठा सकते हैं। एरिका ने कहा कि मैं चार्ली से वादा करती हूं कि मैं आपकी विरासत को कभी खत्म नहीं होने दूंगी।

इस्राइल ने पाकिस्तान को दिखाया आईना

लादेन का नाम लेकर यूएनएससी में इस्लामाबाद की बोलती बंद कर दी

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। डैनी डैनन ने कहा कि 'सच तो यह है कि ओसामा बिन लादेन पाकिस्तान में मारा गया था और किसी ने अमेरिका की निंदा नहीं की। और जब इस परिषद के अन्य देश आतंकवादियों पर हमला करते हैं, तो कोई उनकी निंदा नहीं करता। यही दोहरे मानदंड हैं। जब आप अपने लिए लागू मानकों से अलग मानक इस्राइल पर लागू करते हैं।' इस्राइल ने पाकिस्तान को आड़े हाथों लेते हुए उस पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया। इस्राइल ने कहा कि पाकिस्तान इस तथ्य को नहीं बदल सकता कि खूंखार आतंकी ओसामा बिन लादेन उनकी धरती पर मारा गया। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में दोनों देशों के प्रतिनिधियों के बीच जमकर आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। दरअसल पाकिस्तान ने कतर में

इस्राइली हमले की निंदा की और पूछा कि 'विदेशी धरती पर आतंकवादी को निशाना क्यों बनाया गया?' इस पर इस्राइली राजदूत ने तीखा जवाब देते हुए पाकिस्तानी प्रतिनिधि की बोलती बंद कर दी। इस्राइली प्रतिनिधि डैनी डैनन ने कहा कि 'जब ओसामा बिन लादेन को पाकिस्तान में मार गिराया गया था, तब तो सवाल यह नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया?' संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की न्यूयॉर्क शहर में हुई बैठक, ओसामा बिन लादेन द्वारा आयोजित 9/11 के आतंकवादी हमलों की 24वीं बरसी पर हुई। इस बैठक में इस्राइली और पाकिस्तान के दूतों के बीच तीखी बहस हुई। यह बहस गुरुवार को कतर की राजधानी दोहा में हुए हमले को लेकर हुई, जिसमें इस्राइल ने हमास नेताओं को निशाना बनाया। अपने संबोधन में पाकिस्तान के दूत आसिम इफ्तिखार अहमद ने कतर के खिलाफ इस्राइल के हमले को अवैध और अकारण आक्रामक करार दिया और हमले की कड़ी निंदा की। पाकिस्तान ने कहा कि निरंतर आक्रामकता क्षेत्रीय शांति को कमजोर करती है। पाकिस्तानी दूत ने गाजा में इस्राइली सैन्य कार्रवाइयों को क्रूर बताया और कहा कि सीरिया, लेबनान, ईरान और यमन पर बार-बार हमले कर इस्राइल ने अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन किया है। इस्राइल ने पाकिस्तान की बोलती बंद की पाकिस्तान के आरोपों का जवाब देते हुए इस्राइल के स्थायी प्रतिनिधि डैनी डैनन ने पाकिस्तान के राजदूत आसिम इफ्तिखार अहमद की ओर हाथ उठाते हुए कहा, 'जब बिन लादेन को पाकिस्तान में मारा गया था, तो तब यह सवाल क्यों नहीं पूछा गया था कि विदेशी धरती पर एक आतंकवादी को क्यों निशाना बनाया गया? सवाल यह था कि आखिर एक आतंकवादी को पनाह क्यों दी गई? बिन लादेन को कोई छूट नहीं थी, और हमास को भी कोई छूट नहीं मिल सकती।' इस्राइल ने पाकिस्तान पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाया।

Facebook: https://www.facebook.com/profile.php?id=100063787346044 Twitter: https://twitter.com/mantrabharat?t=8tJONQ7H-h6EKqqap2tVMw&s=08 Mobile No: 7007837917

मंत्र भारत : RNI-MPHIN/2023/88414 देवांश प्रिंटिंग प्रेस 12/12 विनय नगर सेक्टर-2 ग्वलियर(म.प्र.) से मुद्रित एंव 433 आनंन नगर डबल रोड बहोड़ा ग्वालियर से प्रकाशित एवं सम्पादित।
E-Mail : mantragwalior@gmail.com । सम्पादक : मनीष शुक्ला, मोबाइल : 7007837917 स्थानीय संपादक- आनंद त्रिवेदी । वैधानिक सूचना : मंत्र भारत से संबंधित समस्त विवाद निपटारे का क्षेत्र ग्वालियर न्यायालय होगा।